सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 261 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 4 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

Malaria Vaccine: भारत में मलेरिया का टीका तैयार, परीक्षण में हुआ पास, सीडीएल ने दी मंजूरी

सोलन (एजेंसी)। मलेरिया से बचाव के लिए देश का पहला टीका तैयार हो गया है। टीके को सेंट्रल ड्रग्स लैबोरटरी (सीडीएल) कसौली ने मंजूरी दे दी है। आर-21 नामक यह टीका अब जल्द ही बाजार में आ सकता है। मलेरिया से बचाव में इस टीके को क्रांतिकारी उपाय माना जा रहा है। सीडीएल के सूत्रों ने बताया कि कसौली लैब में हुए परीक्षणों के दौरान टीके के छह बैच को मंजूर कर ग्रीन टिक दे दिया गया है। सीडीएल की वेबसाइट पर टीके के बैच पास होने की पुष्टि की गई है। मलेरिया से बचाव के लिए अब लोगों को टीके का एक डोज लगाया जा सकेगा। इससे पूर्व हुए परीक्षण में यह टीका मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ 70 फीसदी से अधिक कारगर माना गया है। अभी यह जानकारी नहीं दी गई है कि यह टीका कितने दिन तक मलेरिया से बचाव उपलब्ध कराएगा। अभी इसकी कीमत का भी खुलासा नहीं हुआ है। वैसे, टीका विकसित होने का सबसे बड़ा लाभ मलेरिया से होने वाली मौतों में कमी आने के रूप में होगा, क्योंकि टीका मलेरिया की गंभीरता को कम कर देगा।

सीडीएल के अधिकारियों ने बताया कि जून में टीके के बैच पास कर इसे विकसित करने वाली कंपनी को भेज दिए हैं। मलेरिया होने के बाद मरीजों को इलाज पर डेढ़ हजार रुपये तक का खर्च आता है और दो सप्ताह तक दवा खानी होती है। मरीज को ठीक होने में तीन सप्ताह तक लग जाते हैं। हालांकि, सरकारी अस्पतालों में मलेरिया का इलाज मुफ्त होता है। टीका लगने के बाद मलेरिया सामान्य बुखार की तरह ही रह जाएगा। आर-21 टीका क्लीनिकल ट्रायल में पास हो चुका है। देश के अलग-अलग स्थानों में हुए क्लीनिकल ट्रायल के दौरान इसकी सटीकता बेहतर पाई गई है। तीन क्लीनिकल ट्रायल में सफल होने के बाद टीके के उत्पादन की मंजूरी दी गई थी।

कसौली की सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेटरी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से प्रमाणित है। इस लैब में भारत में उत्पादन और आयात-निर्यात होने वाले हर टीके के प्रभाव और गुणवत्ता की जांच की जाती है। बाजार में लाने से पहले टीका सीडीएल में जांच के लिए आता है। कोरोना वैक्सीन को भी सीडीएल से ग्रीन टिक मिलने के बाद ही बाजार में उतारा गया था।

इस बार किसकी किस्मत खोलेगी सत्ता की 'मास्टर की'

भाजपा का ध्यान बस्तर पर तो कांग्रेस का मिशन सरगुजा हुआ पूर्णतः सफल

श्रीकंचनपथ एक्सक्लूसिव

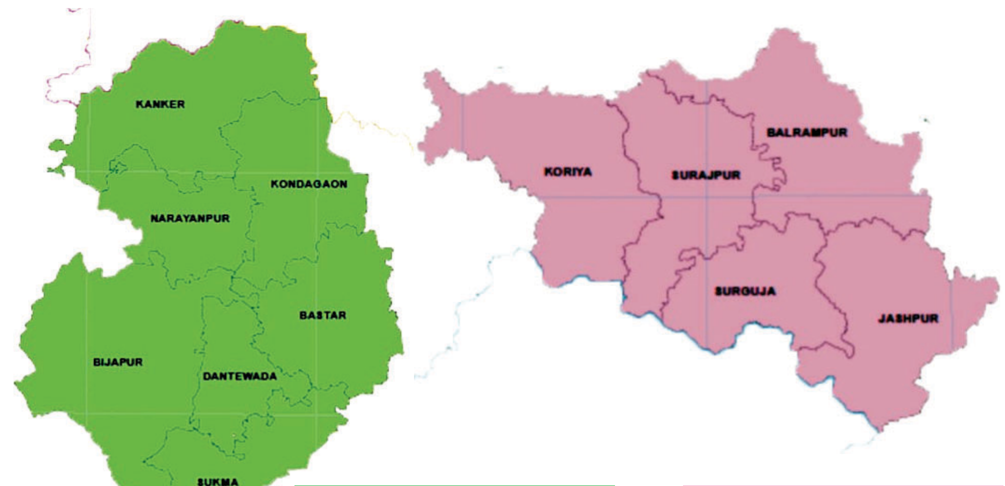

बस्तर संभाग

सरगुजा संभाग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित कुल 29 सीटें कब्जाने के लिए राजनीतिक दलों की जोर-आजमाइश शुरू हो चुकी है। वर्षांत में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर न केवल सत्तारूढ़ दल कांग्रेस अपितु भाजपा भी इस वर्ग को अपने पाले में करने की जुगत में है। नाराज चल रहे टीएस बाबा को संतुष्ट करने और उससे पहले कद्दावर आदिवासी नेता नंदकुमार साय को कांग्रेस से जोड़ने का जो खेल हुआ, उसके बाद सरगुजा की स्थितियां कुछ हद तक स्पष्ट होती दिखती हैं। वहीं भाजपा का पूरा जोर काफी समय से बस्तर पर है। उसके राष्ट्रीय नेता लगातार इस आदिवासी पट्टी का दौरा करते रहते हैं। दोनों आदिवासी इलाकों को सत्ता की मॉस्टर चाबी माना जाता है।

90 विधानसभा क्षेत्रों वाले छत्तीसगढ़ में कुल 29 सीटें एसटी वर्ग के लिए आरक्षित है। इनमें बस्तर की 12 में से 11 सीटें व सरगुजा की कुल 14 सीटों में से 9 सीटें इस वर्ग को समर्पित है। इन 9 सीटों के अलावा बाकी बची 5 सीटों पर भी कहीं न कहीं एसटी फैक्टर काम करता है। इस तरह दोनों ही आदिवासी पट्टियों में इस वर्ग का समर्थन सत्ता के गुणा-भाग का प्रमुख आधार बनता है। लगातार 3 बार सत्तारूढ़ रही भाजपा का 2018 के चुनाव में इन दोनों आदिवासी इलाकों से सूपड़ा साफ हो गया था। सरगुजा संभाग की कुल 14 सीटों पर टीएस बाबा का जलवा साफ तौर पर दिखा था, जबकि बस्तर की 12 में से 11 सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। बाद में बची हुई इकलौती सीट पर हुए उपचुनाव में भी कांग्रेस ने जीत दर्ज की। इस तरह सरगुजा और बस्तर संभाग भाजपा के हाथ से फिसलते चले गए। हालांकि इन दोनों संभागों के अलावा बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभागों में भी भाजपा अच्छे नतीजे हासिल नहीं कर पाई, किन्तु सरगुजा और बस्तर दो ऐसे संभाग रहे जहां के मतदाताओं ने भाजपा को पूरी और बुरी तरह से नकार दिया।

हालांकि अब सत्ता खोने के 4 साल बाद भाजपा में वापसी को लेकर छटपटाहट दिखती है। पार्टी नेतृत्व काफी पहले ही बस्तर पर फोकस कर चुका था। उसके शीर्षस्थ नेता भी गाहे-बगाहे यहां दौरा मारते रहे हैं। दरअसल, भाजपा नेतृत्व बस्तर के महत्व को अच्छी तरह से जानता है। यह दीगर बात है कि पार्टी के भीतर बड़े आदिवासी नेताओं को कभी भी ज्यादा तवज्जो नहीं मिल पाई। गृहमंत्री अमित शाह, भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा और हाल ही में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बस्तर का दौरा किया था। इससे पहले प्रदेश भाजपा की प्रभारी के रूप में डी. पुरंदेश्वरी भी यहां आतीं रहीं। वर्तमान प्रभारी ओम माथुर भी बस्तर का दौरा कर आए हैं। कह सकते हैं कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व बस्तर में अपनी खोई हुई साख को फिर से पाने की कोशिश में है। हालांकि ऐसा भी कहा जा रहा है कि वरिष्ठ नेताओं के ये दौरे मिशन 2023 के लिए नहीं बल्कि मिशन 2024 के लिए है और पार्टी नेतृत्व एक-एक सीट पर काम कर रहा है।

वहीं, सरगुजा के भावी नतीजों से चिंतित कांग्रेस अब राहत की साँस ले सकती है, क्योंकि सरगुजा में कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे टीएस सिंहदेव की नाराजगी अब खत्म हो चुकी है। पार्टी ने उन्हें उपमुख्यमंत्री के पद से नवाजा है। एक समय अपने चुनाव लड़ने पर संशय जाहिर करने वाले टीएस बाबा अब मिल-जुलकर लड़ने और जीतने की बात कर रहे हैं। जाहिर है कि हालात अब बदल चुके हैं। भाजपा यहां अब तक दूसरे कंधे के भरोसे थी। शायद इसीलिए उसने सरगुजा की बजाए बस्तर पर ज्यादा फोकस किया। इस लिहाज से कह सकते हैं कि कांग्रेस ने अपना मिशन सरगुजा सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है। जल्द ही उसके नेता बस्तर पर फोकस करते दिख सकते हैं। हालांकि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष मोहन मरकाम बस्तर क्षेत्र का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। दरअसल, कांग्रेस बस्तर को लेकर निश्चिंत दिखती है। इसकी एक प्रमुख वजह यह भी है कि बस्तर में भाजपा पूरी तरह से साफ है और उसके स्थानीय नेता भी हाशिए पर है। उन्हें पार्टी में भी ज्यादा महत्व नहीं मिला।

मंत्रियों के दौरों से कितना बदलेंगे हालात?

इस बीच, लगातार आ रही निगेटिव रिपोर्ट के चलते गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की कमान अपने हाथों में ले ली है। वे 5 जुलाई को एक बार फिर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। 7 जुलाई को पीएम नरेन्द्र मोदी का दौरा है। उनके साथ सड़कमंत्री नितिन गडकरी, रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ ही गिरिराज सिंह, रेणुका सिंह, मनसुख मांडविया जैसे मंत्री भी आएंगे। पीएम मोदी के अगले महीने फिर दौरे की संभावना है। ऐसे में सवाल यह उठाया जा रहा है कि क्या केन्द्रीय नेताओं के आगमन से छत्तीसगढ़ की राजनीतिक फिजां में बदलाव आएगा? दरअसल, पार्टी आलाकमान तक यह रिपोर्ट पहुंची है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए चुनावी हालात दुरूस्त नहीं है। ऐसे में माहौल में बदलाव लाने के लिए आला नेताओं के दौरे हो रहे हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि शाह अपने दौरे के दौरान पार्टी के नेताओं से अलग से रायशुमारी भी करेंगे।

हाशिए पर आदिवासी नेता

दूसरी ओर सरगुजा पर भाजपा के नेता फोकस नहीं कर पा रहे हैं। अभी हाल ही में बड़े आादिवासी नेता नंदकुमार साय अपनी उपेक्षा से नाराज होकर कांग्रेस में शामिल हो गए। इसका ईनाम उन्हें केबिनेट मंत्री के दर्जे के रूप में मिला। साय के भाजपा छोड़ने का आदिवासियों के भीतर एक संदेश स्पष्ट रूप से गया कि भाजपा आदिवासी नेताओं को महत्व नहीं दे पा रही है। साय ऐसे आरोप लगाते भी रहे हैं। जाहिर है कि आने वाले चुनावों में साय फैक्टर का असर भी दिखेगा।

कांग्रेस आशान्वित, भाजपा में संशय

एसटी वोटर्स की सत्ता-सीढी राजीव भवन में लगेगी या एकात्म परिसर में; इसे लेकर अपने-अपने दावे-प्रतिदावे है। कांग्रेस जहां सरगुजा और बस्तर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में परचम लहराने को लेकर आशान्वित है तो दूसरी ओर भाजपा इस उम्मीद में है कि वह मतदाताओं तक प्रदेश सरकार की कथित विफलता को पहुंचाकर हालातों को अपने पक्ष में कर लेगी। भाजपा के नेताओं में संशय मिश्रित प्रतिक्रिया भी आ रही है।

बकरे का मांस खाने से गई शख्स की जान दोस्तों के साथ गया था पिकनिक मनाने

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। क्या कभी सुना है कि बकरे का मांस खाने से भी किसी की जान जा सकती है। यदि ऐसा होता है तो मीट के शौकीनों को यह खबर पढ़नी चाहिए। दरअसल दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए एक शख्स की बकरे का मांस खाने से मौत हो गई। मौत भी ऐसी कि युवक काफी देर तक तड़पता रहा। दोस्त उसे अस्पताल ले गए तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यह पूरा मामला सूरजपुर जिले के पर्री गांव का हैं। ग्राम मदनपुर निवासी बागर सिंह (50) सोमवार को अपने साथियों के साथ जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पर्री स्थित नर्सरी में पिकनिक मनाने पहुंचा था। पिकनिक में उसके दोस्तों ने बकरा काटा और मांस पकाने की तैयारी में थे। इस बीच बागर सिंह बकरे का कच्चा मांस खाने लगा। यही नहीं उसने बकरे के कटे सिर से आंख निकालकर निगल लिया। इसके बाद पता नहीं क्या हुआ बागर सिंह तड़पने लगा।

बागर सिंह कुछ देर तड़पता रहा और उसके बाद धडाम से गिर गया। इसके बाद उसके दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि बागर सिंह की दम घुटने से मौत हो गई। दरअसल बागर सिंह जब बकरे का कच्चा मांस खा रहा था और इस दौरान उसने आंख निगल ली थी। वहीं आंख उसके गले में फंस गई जिससे वह सांस नहीं ले पा रहा था। इस वजह से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है और मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी। पोस्ट मार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया।

रायपुर में तैयार हुआ गाड़ियों के लिए छत्तीसगढ़ का पहला ऑटोमैटिक फिटनेस टेस्टिंग सेंटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार वाहनों के फिटनेस की जांच के लिए रायपुर में छत्तीसगढ़ का पहला ऑटोमेटिक फिटनेस टेस्टिंग सेंटर तैयार हो चुका है। इस सेंटर में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा वाहनों की फिटनेस की जांच की जाएगी। सड़क हादसों को कम करने की दिशा में परिवहन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की दिशा में इस सेंटर की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन विभाग द्वारा व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण के दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। परिवहन विभाग से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है। ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र को घर पहुंचा कर दिया जा रहा है। इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए ट्रांसपोर्ट गाड़ियों के फिटनेस निरीक्षण के कार्य को भी विभाग ऑटोमैटिक करने जा रहा है इस संबंध में सचिव परिवहन एस प्रकाश ने बताया कि अब फिटनेस निरीक्षण का कार्य मानवीय हस्तक्षेप के बिना स्वचालित मशीन के द्वारा किया जाएगा।

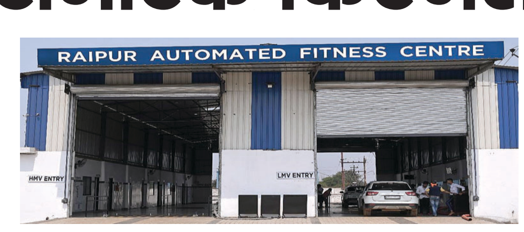

आयुक्त परिवहन दीपांशु काबरा ने बताया कि ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर में मशीन के द्वारा रोलर ब्रेक टेस्ट, एक्सल भार टेस्ट, सस्पेंशन टेस्ट, साइड स्लिप टेस्ट, जॉइंट प्ले टेस्ट, स्टीयरिंग गियर प्ले टेस्ट, स्पीडो मीटर टेस्ट, स्पीड गवर्नर टेस्ट, एग्जॉस्ट गैस टेस्ट, हेड लाइट टेस्ट किए जाएंगे। ट्रांसपोर्ट वाहन को 08 वर्ष की आयु से पूर्व प्रत्येक 02 वर्ष में फिटनेस प्रमाण निरीक्षण कराना होता है। 08 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसपोर्ट वाहन को प्रत्येक वर्ष फिटनेस निरीक्षण कराना होता है। यह नियम यात्री और माल यान दोनों के लिए होता है, जोकि यात्री या माल ले जाने के लिये कमर्शियल वाहन के रूप में प्रयुक्त होते हैं।

पूर्व में फिटनेस निरीक्षण का कार्य आरटीओ ऑफिस में इंस्पेक्टर के द्वारा किया जाता रहा है। इंस्पेक्टर द्वारा अनुभव के आधार पर विजुवल इंस्पेक्शन करने के बाद फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाता है। कई बार ऐसी परिस्थिति में वाहन-मालिक इस जांच से संतुष्ट नहीं हो पाते हैं। अनफिट वाहन यदि रोड में चलते हैं तो उनसे एक्सीडेंट की आशंका बनी रहती है। ट्रांसपोर्ट वाहन से एक्सीडेंट होने से जान-माल की हानि ज़्यादा होती है। इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान रखते हुए हैवी गाड़ियों का फिटनेस 01 अप्रैल 2024 से ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटर से अनिवार्यतरू कराये जाने हेतु अधिसूचना जारी की गई है।

राज्य के द्वारा ऑटोमोबाइल सेक्टर को गति देने के लिए स्क्रैपिंग नीति भी लायी गई है, जिसके तहत पुरानी गाड़ी को स्क्रैपिंग कराने पर नई गाड़ी ख़रीदने के दौरान टैक्स में 25 प्रतिशत तक छूट मिलेगी। इस छूट का लाभ लेने के लिए पहले गाड़ी को ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटर से निरीक्षण कराने के पश्चात रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग सेंटर में स्क्रैपिंग कराना होगा। स्क्रैपिंग कराने के बाद नयी गाड़ी ख़रीदने के लिए टैक्स में छूट हेतु सर्टिफिक्रेट ऑफ़ डिपाजिट दिया जायेगा जिससे की छूट का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त यदि 15 वर्ष से अधिक आयु की ट्रांसपोर्ट गाड़ी ऑटोमेटेड फ़िटनेस सेंटर के फ़िटनेस परीक्षण में फेल हो जाती है तो ऐसी गाड़ी का पंजीयन निरस्त कर दिया जाएगा।

विश्वगुरू भारत में गुरूपूर्णिमा का पर्व

श्रीकंचपनथ

सोमवार को भारत में गुरूपूर्णिमा का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्राध्यापकों का आशीर्वाद लिया। अधिकांश शिक्षकों ने विद्यार्थियों के सिर पर अपना हाथ रखना तक जरूरी नहीं समझा। भारतीय समाज में यह कोई रातोंरात हुआ परिवर्तन नहीं है। सृष्टि के आरंभ में ही इसकी भी नींव रखी जा चुकी थी। इस अवसर पर एक श्लोक का प्रयोग बहुतायत में किया जाता है-

गुरूर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णु: गुरूर्देवो महेश्वर:।
गुरूर्साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नम:।।

अर्थात गुरू ही ब्रह्मा, विष्णु और शिव हैं। गुरू ही साक्षात् आदिब्रह्म हैं। इसी रूप में गुरू को सम्मान देते हुए उन्हें प्रणाम किया जाता है। यह मंत्र स्कंदपुराण से लिया गया है। सतयुग में यही स्थिति थी। गुरू ही सकल ज्ञान के एकमात्र स्रोत थे। युग बदलते गए और गुरू की परिभाषा और भूमिका भी बदलती गई। त्रेतायुग में गुरू ऋषि विश्वामित्र प्रभु श्रीराम को उनके पिता राजा दशरथ से मांग कर ले जाते हैं। प्रभु श्रीराम उन राक्षसों का संहार करने में सफल होते हैं जो यज्ञादि में विघ्न डाला करते थे। गुरू अपने शिष्य की क्षमताओं को जानते थे। इसी युग में मरणासन्न रावण से ज्ञान प्राप्त करने का अवसर भी प्रभु श्रीराम जाया नहीं करते। द्वापर के आते-आते गुरू की स्थिति काफी बदल जाती है। श्रीकृष्ण अर्जुन के मित्र थे पर उनका स्थान गुरू का था। सम्पूर्ण महाभारत के दौरान वे अर्जुन के गुरू की भूमिका में रहे। इसी युद्ध में दुनिया को कर्मयोग का सिद्धांत देने वाले गीता का जन्म हुआ। द्वापर में हम यह भी देखते हैं कि गुरू अपने शिष्यों की जिद पूरी करने के लिए अस्त्र-शस्त्र उठाते हैं और अधर्म के पक्ष में युद्ध करने के लिए विवश हो जाते हैं। गुरू की यह बदली हुई भूमिका कौरवों के समूलनाश का कारण बनती है। अब तो कलयुग चल रहा है। न तो माता-पिता को और न ही शिक्षक को इस बात का कोई आभास है कि उनका शिष्य ज्ञान कहां से प्राप्त कर रहा है। चेला ग्राहक और गुरू व्यापारी है। बस उपभोक्ता फोरम जाना बचा है। बहरहाल, गुरूपूर्णिमा पर जिस श्लोक का इन दिनों बहुतायत में प्रयोग हो रहा है वह स्वयं भी एक अपभ्रंश है। मूल श्लोक में संस्कृत व्याकरण के नियमों के अनुसार छंदों में गुरु: और ब्रह्म, गुरु: विष्णु, का युग्म रूप प्रयोग किया जाता है। विसर्ग संधि रूप में 'र' का उच्चारण प्राप्त करता है। अर्थात अलग-अलग बोलने पर गुरू: विष्णु और साथ-साथ उच्चारण करने पर गुरुर्विष्णु। पर अब एक नये शब्द का जन्म हो चुका है। गुरुर विष्णु। गुरुर कोई शब्द ही नहीं है। गुरूर फारसी शब्द है जो संभवत: मंगोल से आया है। इसका अर्थ अभिमान, अहंकार या घमण्ड है। इस शब्द का इस मंत्र में कोई स्थान नहीं हो सकता। 'निंदक नियरे राखिए...' का दौर भी चला गया। गुरू हमेशा मीठा ही बोलेगा, यह जरूरी नहीं। इसलिए चमचों की चांदी है।

संपादकीय

अपराधियों पर लगाम

बड़े अपराधी सरगनाओं पर शिकंजा कसने की कोई भी कोशिश प्रशंसनीय है। यह सच है कि भारतीय जेलों की कमियों का फायदा उठाकर अनेक बड़े सरगना कैद में रहते हुए भी संगठित अपराधों को अंजाम देते हैं। अगर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ऐसे सरगनाओं की नकेल कसने के लिए उन्हें कहीं दूर स्थानांतरित करने की योजना बना रही है, तो यह स्वागतयोग्य है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उत्तर भारतीय राज्यों की जेलों में बंद लगभग 12 गैंगस्टरों को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में स्थानांतरित करने के लिए गृह मंत्रालय के साथ चर्चा की है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा की जेलों में बंद कुछ गैंगस्टर जेल से ही अपराध का नेटवर्क चला रहे हैं। कोई सरगना जेल में रहते हुए ही हत्या करवा रहा है, तो कोई ठगी या फिरौती का धंधा चला रहा है। ऐसे अपराधियों के तार विदेश में बैठे सरगनाओं से भी जुड़े हुए हैं और ये देश की नामी हस्तियों को धमकाने में कामयाब हो जाते हैं। अपराधियों को उनके क्षेत्र या इलाके से अलग बनी जेलों में रखने का तरीका पुराना है और इससे अपराध पर लगाम लगाने में भी सुविधा होती है। इसके पहले भी एनआईए ने कुछ कैदियों को दक्षिण भारत की जेलों में स्थानांतरित करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था। पिछले दिनों पंजाब में पकड़े गए अपराधियों को पूर्वोत्तर भारत की जेलों में भेजा गया था और अगर हरियाणा-दिल्ली में सक्रिय सरगनाओं को दक्षिण भारत की जेलों में भेजा जाता है, तो जाहिर है कि अपराध घटेंगे। वैसे संकेत यही है कि दक्षिण के राज्य उत्तर भारत के खूंखार अपराधियों को अपने यहां रखने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, लेकिन केंद्र सरकार के पास अंडमान व निकोबार के रूप में एक विकल्प है। यह केंद्रशासित प्रदेश है और इसी प्रदेश में काला पानी की भी बड़ी ख्याति-कुख्याति रही है। अगर कालापानी जैसी सजा को फिर बहाल किया जाता है और इससे शेष देश में सुरक्षा का भाव बढ़ता है, तो यह आगे के लिए भी अनुकरणीय कदम होगा। हालांकि, बड़े अपराधियों को लाचार करने के लिए प्रस्तावित यह कदम जेल महकमे की ईमानदारी पर ही निर्भर करेगा। यह आज की स्याह सच्चाई है, उत्तर भारत की ज्यादातर जेलें अपराधियों पर अंकुश नहीं रख पा रही हैं और इसीलिए एनआईए ऐसी सिफारिश करने के लिए मजबूर हो रहा है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या और तिहाड़ जेल में हुई हत्या के बाद तो जेलों से संचालित अपराध और भी खुलकर सामने आ गए हैं। लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधी लगातार चुनौती बने हुए हैं। पुलिस या न्यायिक अभिरक्षा में रहते हुए भी अगर ये अपराध को अंजाम दे रहे हैं, तो यह न्यायपालिका के साथ ही, पुलिस विभाग के लिए भी चिंता व अफ्सोस की बात है। यह विषय वास्तव में एनआईए का नहीं है, जेल प्रशासन से जुड़े लोगों का है। रसूखदार लोग धन या बल के जोर पर जेल की व्यवस्थाओं को प्रभावित करते हैं। भ्रष्टाचार भी गहरे बसा हुआ है। ऐसे में, निकोबार की जेलों पर कितना भरोसा किया जाए? निकोबार की जेलें भी तब कारगर थीं, जब संचार के उपकरण उपलब्ध नहीं थे। आज भी जेलों में संचार के उपकरणों तक अपराधियों की पहुंच को अगर पूरी तरह बाधित कर दिया जाए, तो मकसद हल हो सकता है। हालांकि, यह तभी संभव होगा, जब तमाम सुरक्षा एजेंसियां मिलकर कदम बढ़ाएंगी।

> “ लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधी लगातार चुनौती बने हुए हैं। पुलिस या न्यायिक अभिरक्षा में रहते हुए भी अगर ये अपराध को अंजाम दे रहे हैं, तो यह न्यायपालिका के साथ ही, पुलिस विभाग के लिए भी चिंता व अफ्सोस की बात है। यह विषय वास्तव में एनआईए का नहीं है, जेल प्रशासन से जुड़े लोगों का है।

बांटकर खाना सिखाएं

हमें यह उपदेश बार-बार देना चाहिए कि बच्चे बांटकर खाना खाएं, सभी तो अपने भाई हैं, सब अपने परिवार के लोग हैं, सबके साथ खेलते हो, तो खाओ भी बांटकर। हमारा जीवन वरदान हो जाएगा- अपने लिए, परिवार के लिए, अपनी जाति के लिए, अपने राष्ट्र के लिए और संपूर्ण मानवता के लिए। अब यह बहुत बड़ा प्रदूषण हो गया है। चोरी से खाकर, चोरी से देखकर, चोरी से कहीं पहुंचकर, दूसरों को छोड़कर संपूर्ण जीवन जीने की प्रक्रिया बनती जा रही है, जिसके कारण समाज टूट रहा है, समाज गंदा हो रहा है, उसके उपयोगी संगठन टूट रहे हैं। एक दिन हमारे एक भक्त ने, जो पुलिस-सेवा में हैं, यह बताया कि मैं एक दिन रसगुल्ले लाया और पत्नी से कहा, 'सबको दीजिए एक-एक रसगुल्ला।' उनका तीन भाइयों का बड़ा परिवार है। किंतु उनकी पत्नी ने अपने बेटे को दो रसगुल्ले दिए और बाकी सबको एक-एक दिया। पति का इतना पवित्र जीवन है कि लोग चर्चा करते हैं। अब वह पुलिस-सेवा से अवकाश प्राप्त कर चुके हैं, पर अद्भुत प्रेरक है उनका जीवन। उन्होंने पत्नी को बुलाया और पूछा, 'आपको अपने बेटे को महामानव बनाना है या राक्षस?'

पत्नी ने पूछा, 'आप यह क्या पूछ रहे हैं? यह क्या बात हुई?' तब पति ने कहा, 'जब मैं खरीदकर लाया और मैंने ही कहा कि सभी को एक-एक रसगुल्ला दिया जाए, तो आपने अपने बेटे को दो रसगुल्ले देकर उसे क्या बनाया? उसकी मां ही चोरी कर रही है, पक्षपात कर रही है, तो फिर उसका क्या होगा? एक अतिरिक्त रसगुल्ला ज्ञान बढ़ा देगा क्या, उसके पुण्य को बढ़ा देगा क्या, बेटे को पहलवान बना देगा या उसका भाग्य बना देगा क्या? आपकी यह पक्षपाती बुद्धि, आपकी यह चोरी की बुद्धि, आपकी यह धृतराष्ट्र वाली बुद्धि है, जो आपके बेटे को राक्षस बना देगी।' उन्होंने अपनी पत्नी को ऐसे झकझोरा कि दोबारा वह कभी पक्षपात न कर सकीं। आज उनके दोनों बेटे जीवन में सबके लिए जैसे काम कर रहे हैं, वह अनुकरणीय है। निश्चित रूप से यह पिता की शिक्षा का प्रभाव है। परिपालन की रामजी की पद्धति है, उसके माध्यम से मैं बताना चाहता हूं कि प्रारंभ से ही बहुत बड़ी दृष्टि वाला होकर जीवन के उपयोग को, जीवन की सार्थकता को, जीवन के बड़प्पन को साबित करने का संकल्प लेना चाहिए कि सदैव बांटकर खाना है। आज शिक्षा यह हो रही कि कैसे दूसरों से छिपाकर अपने बेटे को बहुत-बहुत दे दें। मोक्ष की जो अवस्था है, उसमें कहा जाता है कि भोगे साम्यम्। भगवान सब कुछ अपने बराबर कर देते हैं। कौन मालिक होगा, जो अपने जैसा नौकरों को खिलाएगा? कौन मालिक होगा, जो अपने जैसा सबको कपड़े पहनाएगा? सोचिए!

रामानंदाचार्य स्वामी श्रीरामनरेशाचार्य

जर्मनी का संकट गहराया

आज यहां यह ख्याल किया जा रहा है कि बर्लिन के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्र में जो संकट पैदा हो गया है, वह आगामी 48 घंटों में पहिले की अपेक्षा और भी अधिक भयंकर हो जायेगा। सब कुछ इस चीज पर निर्भर करता है कि जर्मनी के रूसी फौजी कमांडर मार्शल वैसील सोकोलोवस्की ब्रिटिश फौजी कमांडर सर ब्रेन राबर्ट्सन द्वारा कल रात को भेजे गये पत्र में पेश की गई मांगें स्वीकार करते हैं या नहीं। यदि उन्होंने उक्त मांगें स्वीकार न कीं तो तमाम पश्चिमी राष्ट्र मिलकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एक जबर्दस्त रुक्का मास्को भेजेंगे। यह रुक्का तैयार किया जा चुका है और उस पर लन्दन में विचार किया जा रहा है। रायटर का राजनैतिक संवाददाता लिखता है कि यदि कहीं यह मामला सब देशों की सरकारों के पास चला गया तो प्रतिष्ठा का सवाल पैदा हो जायेगा। तब सोवियट सरकार के लिए पश्चिमी राष्ट्रों को बर्लिन में चार राष्ट्रों का शासन कायम करने की मांग को स्वीकार करना भी कठिन हो जायेगा। तीन राष्ट्रों की 'लन्दन समिति' सारे संकट पर गौर कर रही है। बर्लिन की खबर है कि मार्शल वैसील सोकोलोवस्की पश्चिमी प्रदेशों व बर्लिन के बीच यातायात पर लगी पाबन्दियों के प्रश्न पर कभी भी विचार-विनिमय करने को तैयार हैं।

> “ तमिलनाडु के गवर्नर आर एन रवि के व्यवहार पर तमाम राजनीतिक पार्टियों की प्रतिक्रिया इतनी तीखी थी कि उनको अपना आदेश वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

आलोचना के केंद्र में कुछ राजभवन

एस. श्रीनिवासन

पिछले हफ्ते तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने एम के स्टालिन मंत्रिमंडल के दागी सदस्य सेंथिल बालाजी को बर्खास्त करने का आदेश जारी करके राज्य को एक सांविधानिक संकट में डाल दिया था। राजभवन से जारी एक संक्षिप्त प्रेस-विज्ञप्ति में कहा गया था, 'राज्यपाल ने उन्हें तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया है'। हालांकि, कुछ घंटों के भीतर ही, करीब आधी रात के आसपास केंद्रीय गृह मंत्रालय की सलाह का हवाला देकर उन्होंने अपने ही आदेश को पलट दिया। इस तरह, जिस सांविधानिक संकट को उन्होंने खुद ही पैदा किया था, उसे टालने में वह सफल रहे। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने तुरंत तीखी प्रतिक्रिया दी थी और राज्यपाल की कार्रवाई को यह कहते हुए मानने से इनकार कर दिया था कि गवर्नर के पास ऐसी कोई शक्ति है ही नहीं। उन्होंने इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाने की बात भी कही।

पिछले साल करीब इसी समय केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी 'बाहरी लोगों' से जुड़ी टिप्पणी को लेकर राज्य के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल से उनका मंत्रालय छीनने को कहा था, जिसने राज्य को सांविधानिक संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया था। हालांकि, राज्यपाल रवि की तरह उनको भी असहज होना पड़ा, क्योंकि मुख्यमंत्री पी विजयन ने उनकी बात मानने से इनकार करते हुए दोटूक कह दिया था कि बालगोपाल अपने पद पर बने रहेंगे।

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब राज्यपाल अपनी शक्ति बढ़ाने की कोशिश में खुद तमाशा बन गए हों। इससे पहले पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, मेघालय जैसे तमाम विपक्ष-शासित सूबों के राज्यपाल ऐसे कृत्यों में शामिल रहे हैं, जो संविधान में निहित उनकी शक्तियों के विरुद्ध थे। हालांकि, इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटेंगे, तो यह पता चलेगा कि भाजपा के केंद्र में आने से पहले के दशकों में कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान राजनीतिक मंशा पूरी करने के लिए राज्यपालों का दुरुपयोग किया था। जहां कांग्रेस-राज अनुच्छेद 365 के जरिये राज्य सरकारों को बर्खास्त करने के लिए बदनाम रहा, तो वहीं त्रिशंकु विधानसभा होने अथवा प्रतिकूल जनादेश की सूरत में अपना मुख्यमंत्री बनाने के लिए या विपक्षी दलों की सरकार को परेशान करने के लिए भाजपा सरकारें भी राजभवनों का इस्तेमाल करती रही हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी जिस राज्य में भी राजनीतिक रूप से कमजोर है, वहां सत्तारूढ़ दल पर हमलावर होकर वह अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए राज्यपाल का इस्तेमाल कर रही है। इसमें केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को भी विरोधी पार्टियां सहायक बता रही हैं।

सेंथिल बालाजी का मामला काफी समय से चल रहा है, और यह स्पष्ट रूप से 'स्क्रिप्टेड' लग रहा है। इसमें सबसे पहले, भाजपा की राज्य इकाई ने अपने प्रमुख के अन्नामलाई के नेतृत्व में बालाजी के खिलाफ एक आक्रामक अभियान चलाया और राज्यपाल को आरोप-पत्र सौंपा। इसके बाद मंत्री के कार्यालयों और घर पर इनकम टैक्स व ईडी की छापेमारी हुई, और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मंत्री को हटाने की बात कही, लेकिन मुख्यमंत्री ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया। बाद में, कई द्रमुक नेताओं ने सोशल मीडिया पर केंद्र पर पलटवार करते हुए लिखा, 'दुर्भावनापूर्ण गिरफ्तारी' और 'महज आरोप' किसी भी मंत्री की बर्खास्तगी के आधार नहीं हो सकते। सभी ने सोचा कि विवाद शांत हो जाएगा, क्योंकि इस मुद्दे पर एक मामला पहले से ही मद्रास हाईकोर्ट में लंबित था, लेकिन राज्यपाल ने जल्दबाजी दिखा दी, जिससे आसन्न संकट पैदा हो गया। चूंकि राज्यपाल ने एक विवादास्पद कदम उठाया, इसलिए अब उनकी वापसी की मांग द्रमुक और उसके सहयोगी दल कर रहे हैं। संविधान-विशेषज्ञों की मानें, तो यही लगता है कि राज्यपाल ने अपनी सीमा लांघी है। राज्यपाल खान और रवि, दोनों अपने कदमों को सही साबित करने के लिए संविधान की गलत व्याख्या कर रहे थे। लगता है, एन रवि स्पष्ट तौर पर राज्यपाल की ब्रिटिश कालीन ताकतों के मुताबिक काम कर रहे हैं, जो अब अस्तित्व में नहीं हैं। वे दोनों इस सांविधानिक व्यवस्था को नजरंदाज करते दिखे कि राज्यपाल स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर सकते और उनको मंत्रिपरिषद् की सलाह व सहायता के अनुसार ही काम करना चाहिए। वह सिर्फ मुख्यमंत्री की नियुक्ति कर सकते हैं, मंत्रिपरिषद् का गठन तो मुख्यमंत्री द्वारा ही किया जाएगा।

राज्यपाल एन रवि के 'वायसराय सरीखे व्यवहार' पर तमिलनाडु के राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया इतनी तीखी रही कि उनको अपना आदेश वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। मगर इसकी संभावना नहीं है कि वह झुकेंगे, क्योंकि वह विवादास्पद कदम उठाते रहे हैं। इससे केंद्र और राज्य के आपसी संबंधों पर भी बुनियादी सवाल उठते हैं। जैसे-जैसे देश 2024 के आम चुनाव की ओर बढ़ रहा है, आग शांत होने के बजाय और सुलग सकती है। इससे विपक्ष-शासित राज्यों के इस आरोपों को भी बल मिलता है कि राजभवन केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के दफ्तर सरीखे बन गए हैं। ऐसे मामलों ने फिर यह मांग तेज कर दी है कि राज्यपाल के पद को ही अब खत्म कर देना चाहिए। मगर ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि संविधान इस पद की वकालत करता है, जो केंद्र और राज्य के बीच एक कड़ी के रूप में काम करेगा।

सबसे अच्छा विकल्प तो यही है कि ऐसे राज्यपाल नियुक्त किए जाने चाहिए, जो निष्पक्ष रूप से काम करें। राज्यपाल के चयन को लेकर विभिन्न आयोगों ने कई सिफारिशें की हैं। एक सिफारिश यह भी थी कि सक्रिय राजनीति में रहने वाले व्यक्ति को यह पद नहीं देना चाहिए। यह भी सुझाव आया कि उन अधिकारियों को पुरस्कार के रूप में राज्यपाल नहीं बनाना चाहिए, जो सेवानिवृत्ति के कगार पर हों।

हालांकि, इन तमाम सिफारिशों को लगातार नजरंदाज किया जाता रहा है। अलबत्ता, केंद्र को पुलिस और खुफिया अधिकारियों की नियुक्ति का भी कोई पछतावा नहीं रहा, जो सत्ता में बैठी पार्टी की राजनीतिक दिशा को आगे बढ़ाते रहे हैं। सांविधानिक बारीकियों में न भी जाएं, तब भी सामंजस्य की जिस भावना और राजनीतिक शालीनता की दरकार है, उसकी यहां साफ-साफ कमी दिख रही है। ऐसा नहीं है कि राज्य सरकार ने हमेशा मर्यादा का पालन किया हो, लेकिन लोकतंत्र का तकाजा तो यही है कि केंद्र को संतुलन बनाना सीखना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हर काम को सम्मान देने से तेज होगी हमारी तरक्की

विद्या महाम्बरे, अर्थशास्त्री

भारत के पास जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ है। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, इस दिशा में एक परेशान करने वाली बात निरंतर बनी हुई है: शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट 2021-22 के अनुमानों के मुताबिक देखें, तो बेरोजगारी दर, काम खोजने में असमर्थ लोगों का अनुपात, 22-25 वर्ष की आयु के भारतीय स्नातकों में 20 प्रतिशत से अधिक है। स्नातक स्तर से कम शिक्षा वाले लोगों में चरम बेरोजगारी लगभग पांच प्रतिशत है।

कंपनियों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं अन्य तकनीकी उपकरणों को अपनाने से शिक्षित लोगों में बेरोजगारी की स्थिति आगे और खराब हो सकती है। यहां एक कम चर्चित मुद्दा है- नौकरी की स्थिति व उससे जुड़ी प्रतिष्ठा। अक्सर, इस विषय को नजरअंदाज कर दिया जाता है। आखिर उपलब्ध नौकरियों की प्रतिष्ठा उच्च शिक्षित युवाओं को बेरोजगार रहने के लिए किस हद तक प्रेरित करती है? उच्च व निम्न दर्जे के रोजगार कौन से हैं? डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, वित्तीय विश्लेषक और निवेश बैंकर आला दर्जे के रोजगार हैं। दूसरी ओर, निम्न दर्जे की नौकरियों में सफाईकर्मी, फास्ट-फूड कर्मी, खेतिहर मजदूर, ट्रक चालक और सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। गौर कीजिए, कोविड के दौरान चिकित्सा सुविधाओं को जारी रखने में स्वास्थ्यकर्मी बहुत महत्वपूर्ण थे, पर अपने यहां ऐसी नौकरियों में भी प्रतिष्ठा की कमी है। जब नौकरियों में सम्मान की बात आती है, तो उनके बारे में उच्च व सबसे निम्न वर्ग की धारणाएं बहुत हद तक समान लगती हैं।

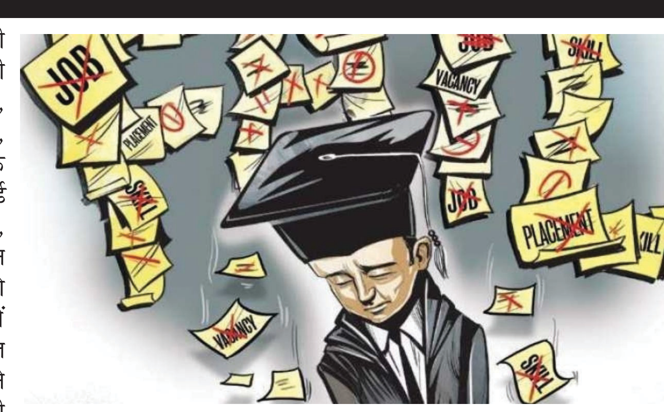

नौकरी की स्थिति और कमाई साथ-साथ चलती है। जैसे, उच्च वेतन कई बेरोजगारों को सरकारी नौकरियों के लिए प्रेरित करता है, पर यहां नौकरी से जुड़ी प्रतिष्ठा व कमाई हमेशा साथ-साथ नहीं चल सकती। उदाहरण के लिए, नर्सें, शिक्षक या यहां तक कि कारखाना कर्मी भी कभी-कभी एक सामान्य इंजीनियर से ज्यादा कमा सकते हैं। ध्यान रहे, भारत में शिक्षा का स्तर तेजी से बढ़ा है। अखिल भारतीय स्तर पर सरकारी नीति का लक्ष्य 2030 तक उच्च शिक्षा में सकल नामांकन को 50 प्रतिशत तक पहुंचाना है। जब शिक्षित युवा नौकरियों की तलाश करते हैं, तब वे अक्सर अपनी शिक्षा के स्तर और उपलब्ध नौकरियों के बीच अंतर महसूस करते हैं। मध्यम व निम्न दर्जे के रोजगार शिक्षित युवाओं को बेरोजगार रहने के लिए प्रेरित करते हैं, भले ही आय में बहुत अंतर न हो। निम्न दर्जे की नौकरियों खासकर पुरुषों की अच्छी शादी की संभावनाओं पर भी प्रतिकूल असर डालती हैं। भारतीय समाज में ज्यादातर शादियां सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से प्रभावित होती हैं।

आखिर, शिक्षित युवा कब मध्यम या निम्न दर्जे की नौकरियां स्वीकार करते हैं? अव्वल तो वेतन ज्यादा होने की स्थिति में वह कम सम्मान वाली नौकरियों को मंजूर कर लेते हैं। दूसरा, लंबे समय तक बेरोजगार रहने के बाद नौकरी के प्रति सम्मान घट जाता है और शिक्षित युवा निम्न दर्जे की नौकरी भी स्वीकार कर लेते हैं। हमने पाया है, जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शिक्षित भारतीयों में बेरोजगारी कम होती जाती है और 30 साल के लोगों में यह लगभग पांच प्रतिशत तक रह जाती है। पुरुष समझौता करके नौकरी कर लेते हैं, जबकि महिलाएं नौकरी की तलाश ही बंद कर देती हैं। क्या हम रोजगार की प्रतिष्ठा की स्थिति को बदल सकते हैं?

हमें समझना चाहिए, शिक्षित युवा पेशेवर करियर व तरक्की के अवसरों की इच्छा रखते हैं। उन्हें गरिमा और ग्राहकों से सम्मान मिले, यह बहुत जरूरी है। साथ ही, औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक कौशल-आधारित शिक्षा भी जरूरी है। विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास और उद्यमिता को यदि बेहतर परिवेश देते हुए बढ़ावा दिया जाए, तो छोटी नौकरियों के सम्मान से जुड़ी धारणाओं को बदलने में मदद मिल सकती है। नौकरी की स्थिति या सम्मान किसी व्यक्ति की सामाजिक स्थिति का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। नौकरी हमारे फैसलों को प्रभावित करती है। अब नीति-निर्माता उन पेशों की प्रतिष्ठा बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा शुरू कर सकते हैं, जिनमें अधिक श्रमिकों की जरूरत पड़ती है।

(साथ में विवेक जाधव)

खाद्य संकट के बीच उम्मीद बनता भारत

जयंतीलाल भंडारी

वैश्विक खाद्यान्न संकट पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए भारत की नई अहमियत रेखांकित हो रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के लगातार बढ़ने के कारण जो वैश्विक खाद्य संकट पिछले कई महीनों से बढ़ता जा रहा है, वह अब मई, 2023 में चीन में भारी वर्षा और बाढ़ के कारण चौपट हुई गेहूं की फसल के कारण और चुनौतीपूर्ण बन गया है। स्थिति यह है कि चीन में गेहूं की पैदावार में भारी कमी आने से चीन इस वर्ष बड़ी मात्रा में गेहूं आयात करते हुए भी दिखाई दे सकता है। ऐसे में दुनिया के अनेक देश खाद्य संकट से निपटने और अपनी खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर भारत की ओर निगाहें लगाए हुए हैं।

हाल ही में हैदराबाद में आयोजित जी-20 कृषि मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस समय जब दुनिया के सामने खाद्य सुरक्षा की चिंताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं तब भारत बैक टू बेसिक्स एंड मार्च टू फ्यूचर की नीति के साथ देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत बनाते हुए दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मदद कर रहा है। इस सम्मेलन में सरकार का कहना था कि देश में कृषि-विविधता को बढ़ावा, कृषि क्षेत्र में प्रभावी नीतियों, डिजिटल कृषि आदि से किसानों को लाभ मिल रहा है, उससे खाद्यान्न उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है और देश में खाद्य सुरक्षा मजबूत होती जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि इस परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता बनाने की योजना भारत ही नहीं, दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मील का पत्थर साबित होगी।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों द्वारा भारत की खाद्य सुरक्षा की सराहना की जा रही है। भारत में जहां कोरोना काल में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त अनाज दिया गया, वहीं इस वर्ष जनवरी, 2023 से वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त अनाज वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2023 में वर्षभर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की यह पहल दुनिया भर में रेखांकित की जा रही है।

निःसंदेह एक ऐसे समय में जब दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी बनी हुई है, भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल फंड ऑफ एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट के मुताबिक पिछले साल 2022 में भारत ने गेहूं की भारी कमी झेल रहे दुनिया के 18 देशों को गेहूं भेजा है। आज दुनिया में जहां चीन गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, वहीं भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, रूस तीसरे नंबर पर है। भारत दुनिया का 9वां सबसे बड़ा खाद्यान्न निर्यातक देश भी है।

देश में लगातार बढ़ता हुआ रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूती प्रदान कर रहा है, साथ ही इसी आधार पर भारत से दुनिया की अपेक्षाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन होगा। कृषि वर्ष 2022-23 में चावल का कुल उत्पादन (रिकॉर्ड) 1355.42 लाख टन होने का अनुमान है। देश में गेहूं का उत्पादन (रिकॉर्ड) 1127.43 लाख टन अनुमानित है। न्यूट्री/मोटे अनाज का उत्पादन 547.48 लाख टन अनुमानित है। 2022-23 के दौरान कुल दलहन उत्पादन 275.04 लाख टन अनुमानित है। साथ ही इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 जिस तरह उत्साहवर्द्धक रूप से आगे बढ़ रहा है तथा उत्पादन बढ़ाने के विशेष प्रयास हो रहे है, अधिक धन आवंटन तथा विशेष कार्य योजनाएं लागू की गई हैं, उनसे भी मोटा अनाज का उत्पादन बढ़ेगा। इन सबके कारण अधिक खाद्य सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा।

ऐसे में जब देश में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड बना रहा है, तब खाद्यान्न भंडारण की अधिक क्षमता भी जरूरी है। यदि हम देश की आजादी के बाद से अब तक देश की खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था और इसकी चुनौतियों का अध्ययन करें तो ऐसी कई रिपोर्टें दिखाई देती हैं, जो भंडारण की पर्याप्त सुविधा न होने कारण भारत में पिछले कई दशकों से खाद्यान्न की भारी बर्बादी के विवरण पेश करती हैं। भारत में किसान कड़ी मेहनत कर खाद्यान्न उगाते हैं लेकिन 12 से 14 फीसदी तक अन्न बर्बाद हो जाता है। अधिकांशतः किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता है। इसकी वजह यह है कि अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था नहीं होने की वजह से खेती करने के बाद कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। वास्तव में देश में खाद्यान्न भंडारण की समस्या जहां एक ओर फसलों की कटाई के दौरान निर्मित होती है, वहीं फसलों की कटाई के बाद कमजोर संग्रहण और कमजोर यातायात व्यवस्था के कारण भी यह उभरकर दिखाई देती है।

इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 31 मई को सरकार द्वारा स्वीकृत नई खाद्यान्न भंडारण क्षमता योजना महत्वपूर्ण दिखाई दे रही है। यह योजना लगभग एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ शुरू होगी। इस समय देश का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3,100 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। यद्यपि भारत दुनिया का प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देश है, लेकिन खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जुलाई माह के लिए अग्रीम राशन भंडारण में जिला बालोद पूरे राज्य में अग्रणी

बालोद। असार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत माह जुलाई 2023 हेतु अग्रीम राशन भंडारण में जिला बालोद पूरे राज्य में अग्रणी है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 474 शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालित है, जिसमें संचालित सभी 474 शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में माह जुलाई 2023 हेतु अग्रीम भंडारण दिनांक 30 जून तक पूरा कर लिया गया है । उन्होंने बताया कि एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजनांतर्गत ई-केवाईसी कराने में जिला बालोद पूरे राज्य में अव्वल है। ज्ञातव्य हो कि जिले के समस्त 474 शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में प्रचलित कुल 02 लाख 16 हजार 318 राशन कार्डधारियों के कुल 08 लाख 81 हजार 897 सदस्यों का ई-केवाईसी का कार्य भी किया जा रहा है। जिसमें से अब तक कुल 06 लाख 41 हजार 138 सदस्यों का ई-केवाईसी का कार्य पूरा कर लिया गया है, जो कुल सदस्य का लगभग 73 प्रतिशत है। संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजनांतर्गत सभी राशनकार्डधारी हितग्राहियों का 31 जुलाई 2023 तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। जिला खाद्य अधिकारी ने राशनकार्डधारी हितग्राहियो से अपने परिवार के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से कराने की अपील की है। उन्होंने उक्त कार्य के क्रियान्वयन हेतु हितग्राहियों से सहयोग की अपेक्षा की है। जिससे आगामी राशन वितरण के समय किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

छत्तीसगढ़ के इन पांच जिलों के लिए यलो अलर्ट

रायपुर। राज्य के जशपुर, सरगुजा, कोरबा, बिलासपुर सहित कई जिलों में आने वाले चौबीस घंटों के दौरान एक-दो स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। वहीं राजधानी रायपुर सहित आसपास के इलाकों में आने वाले 48 घंटों तक बारिश की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मौसम विभाग से जारी पूर्वानुमान की माने तो राजधानी रायपुर सहित आसपास के जिलों व स्थानों पर फिलहाल अच्छी बारिश के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। बारिश की गतिविधियों पर आए विराम के चलते वातावरण से नमी की मात्रा लगातार घटती जा रही है। परिणाम स्वरूप उमस से लोग फिर से बेहाल होने लगे हैं। दूसरी ओर मौसम विभाग के सूत्रों का दावा है कि फिलहाल राजधानी रायपुर सहित आसपास के इलाकों में बारिश के आसार नहीं दिख रहे हैं। बारिश के लिए जरूरी सिस्टम अथवा लोकल सिस्टम नहीं बनने के कारण रायपुर सहित आसपास के इलाकों में बारिश की गतिविधियों पर फिलहाल विराम लगा हुआ है। रायपुर शहर व आसपास के जिलों में दिन व रात के तापमान में फिर से वृद्धि दर्ज की जा रही है।

19 जनरल कोच के साथ चलेगी ट्रेन

पुरी-उधना (सुरत)-पुरी के बीच चलेगी जनसाधारण साप्ताहिक स्पेशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रेलवे द्वारा पुरी एवं उधना जंक्शन (सुरत) के बीच जनसाधारण साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर जाने वाली 08465/08466 पुरी-उधना-पुरी जनसाधारण एक्सप्रेस की सुविधा पुरी से 12 जुलाई व उधना से 13 जुलाई से चार फेरों के लिए चलाया जाएगा। इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआर एवं 17 सामान्य कोच सहित कुल 19 कोच रहेगी । यह ट्रेन पूरी तरह अनारक्षित रहेगी।

08465 पुरी-उधना जनसाधारण साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को 12 जुलाई से 02 अगस्त, 2023 तक पुरी से उधना के लिए रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी 08466 उधना-पुरी जनसाधारण साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 13 जुलाई से 03 अगस्त तक उधना से पुरी के लिए रवाना होगी।

08465 पुरी-उधना जनसाधारण साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन पुरी से 14.55 बजे रवाना होकर खुर्दा रोड 15.40/ 15.45 बजे भुवनेश्वर 16.10/16.15 बजे, ढेंकनाल 17.25/17.27 बजे, तालचर रोड 18.30/15.22 बजे, अंगुल 18.35/18.37 बजे, रेढ़ाखोल 20.00/ 20.02 बजे, सम्बलपुर सिटी 20.55/ 21.00 बजे, झारसुगुड़ा रोड 21.55/ 22.00 बजे, बिलासपुर 01.35/ 01.45 बजे, रायपुर 03.15/ 03.20 बजे, दुर्ग 04.15/04.20 बजे, गोंदिया 06.12/06.14 बजे, नागपुर 08.25/ 08.30 बजे, वर्धा 09.35/ 09.37 बजे, बड्नेरा 11.40/11.45 बजे, अकोला 12.37/12.40 बजे, भुसावल 15.10/15.15 बजे, जलगांव 15.35/ 15.38 बजे, उधना 20.15 बजे पहुचेगी ।

इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी 08466 उधना-पुरी जनसाधारण साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन उधना से 23.00 बजे रवाना होकर जलगांव 04.35/04.38 बजे, भुसावल 05.10/05.15 बजे, अकोला 07.17/ 07.20 बजे, बड्नेरा 08.35/ 08.40 बजे, वर्धा 10.30/10.32 बजे, नागपुर 11.55/ 12.00 बजे, गोंदिया 13.55/ 13.57 बजे, दुर्ग 15.55/ 16.00 बजे, रायपुर 16.35/16.40 बजे, बिलासपुर 18.45/19.00 बजे, झारसुगुड़ा रोड 22.45/22.50 बजे, सम्बलपुर सिटी 23.45/23.50 बजे, रेढ़ाखोल 00.25/00.27 बजे, अंगुल 02.25/ 02.27 बजे, तालचर रोड 02.40/ 02.42 बजे, ढेंकनाल 03.45/ 03.47 बजे, भुवनेश्वर 04.55/05.00 बजे, खुर्दा रोड 05.20/05.25 बजे, पुरी 06.55 बजे पहुचेगी ।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनी गौठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृषि और उस पर आधारित व्यवसाय जैसे की मछलीपालन, पशुपालन आदि को परंपरागत तरीके से कार्य करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्रामीण कृषि, पशुपालन, जल संसाधनों का उपयोग और उनके उत्पाद तथा अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग स्थानीय स्तर पर कृषि एवं उस पर आधारित कार्यों में किया जा रहा है। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में ग्रामीण पशुपालकों से 2 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से गोबर और 4 रुपए प्रति लीटर की दर से गौमूत्र की खरीदी की जा रही है। जैविक खेती के लिए गोबर का उपयोग वर्मी खाद बनाने तथा गौमूत्र का उपयोग कीटनाशक दवाई बनाने में किया जा रहा है। राज्य की 8 हजार से अधिक गौठानों में 25 हजार बिहान समूह की लगभग 1 लाख 30 हजार से अधिक महिला विभिन्न आजीविका गतिविधियों में शामिल होकर इससे लाभान्वित हो रही हैं।

गौठानों में इसके अतिरिक्त उपलब्ध संसाधनों के आधार पर बाड़ी, मुर्गीपलन, बकरीपालन, डेयरी, मछलीपालन आदि कार्यों से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। इन गौठानों के परिवृत्त में स्थित तालाबों में मत्स्य बीज संचय कर मत्स्य पालन किया जा रहा है। गौठान के ताजे गोबर का उपयोग तालाबों में प्राकृतिक मत्स्य आहार विकसित करने के लिए किया जाता है।

मुख्यमंत्री द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को सेन्ट्रल इडिया रीजनल कांउसिल की रायपुर शाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय सी.ए विद्यार्थियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का आंमत्रण दिया। गौरतलब है कि 5 और 6 अगस्त 2023 को पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम रायपुर में यह दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल में आईसीएआई के पदाधिकारी सर्वश्री रवि ग्वालानी, विकास गोलछा, धवल शाह, गोपाल अग्रवाल, रवि जैन तथा मोहित अग्रवाल शामिल थे।

किडनी के मरीजों के लिए राज्य के 27 जिला अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य सेवाओं के लगातार विस्तार से अब राज्य के 27 जिला चिकित्सालयों में डायलिसिस की सुविधा विकसित कर ली गई है। इससे किडनी रोगों से पीड़ितों को अब उनके जिला मुख्यालय में ही नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा मिल रही है। प्रदेश के दूरस्थ अंचलों के मरीजों को अब डायलिसिस के लिए बड़े शहरों का रूख नहीं करना पड़ रहा है। किडनी संबंधी रोग से ग्रस्त मरीज को लंबे समय तक बार-बार डायलिसिस कराना पड़ता है। इससे उन पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ता है। स्थानीय स्तर पर ही नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलने से अब इसके मरीजों को बड़ी राहत मिली है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव की पहल पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम 'जीवन धारा' और जिला खनिज न्यास निधि (छ्रख्न) से राज्य के 27 जिला मुख्यालयों तथा देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस की सुविधा प्रारंभ की जा चुकी है। 'जीवन धारा' के अंतर्गत दुर्ग, कांकेर, बिलासपुर, महासमुंद, कोरबा, सरगुजा, जशपुर, बीजापुर, रायपुर, जांजगीर, जगदलपुर, गरियाबंद, मुंगेली, धमतरी, बलौदाबाजार, बैकुंठपुर, सूरजपुर, कवर्धा, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एवं सुकमा जिला चिकित्सालय तथा देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस की सुविधा प्रदान की जा रही है।

इन 24 अस्पतालों में कुल 106 डायलिसिस मशीनें स्थापित की गई हैं जहां अब तक 87 हजार 321 डायलिसिस सेशन किए जा चुके हैं। पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में इन अस्पतालों में किडनी रोगों से जूझ रहे मरीजों के कुल 46 हजार 679 डायलिसिस सेशन किए गए हैं। प्रदेश के चार अन्य जिला अस्पतालों दंतेवाड़ा, बलरामपुर, रायगढ़ और कोंडागांव में जिला खनिज न्यास निधि से डायलिसिस की मशीनें स्थापित कर यह सुविधा प्रदान की जा रही है। दंतेवाड़ा में चार, बलरामपुर और रायगढ़ में तीन-तीन तथा कोण्डागांव में एक डायलिसिस मशीन संचालित है।

किसान, बीज की बोआई से पहले करें बीजोपचार एवं अंकुरण परीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिकों ने प्रदेश के किसानों को बीज की बुआई से पहले बीजोपचार एवं अंकुरण परीक्षण करने की अपील की है। वैज्ञानिकों ने किसानों से अपील करते हुए यह भी कहा है कि वर्षभर फसल उत्पादन के लिए खरीफ की कार्ययोजना बनानी चाहिए। जब हम खेती की बात करते हैं, तब बीज की महत्ता बहुत ही ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि बीज के ऊपर हमारा पूरा कृषि कार्य निर्भर करता है।

बीज अगर स्वस्थ होगा तो पौधे भी स्वस्थ होंगे। कीड़े बीमारी का प्रकोप कम होगा और उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि होगी। वहीं यदि बीज सही नहीं है, तो बीज का अंकुरण अच्छा नहीं होगा, प्रति इकाई क्षेत्र में पौध संख्या कम होगी और यदि अंकुरित हो जाता है, तो पौधे अस्वस्थ एवं कीड़े बीमारी का प्रकोप बढ़ जाने से रोकथाम हेतु फसल औषधि का अधिक उपयोग करने के कारण उत्पादन लागत बढ़ जाती है। अत: बीज का अंकुरण परीक्षण भी बहुत जरूरी है। वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती-किसानी से पहले निम्नानुसार प्रक्रिया अपनाने की अपील की है।

किस्म का चयन

धान की 10 वर्ष से अधिक पुरानी किस्म का चयन ना करें क्योंकि इनमें रोग, कीट व्याधि से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे दवा आदि के रूप में खेती-किसानी की लागत में वृद्धि होती है। अधिक देर से पकने वाली किस्मों का चयन ना करें यह रबी फसल को प्रभावित करेगा।

बीज का चयन

बीज विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त करें। गुणवत्ता युक्त बीज का चयन ना हो पाने की स्थिति में उत्पादन प्रभावित होता है। 17 प्रतिशत नमक के घोल का उपयोग कर हष्ट-पुष्ट बीज का चयन करें। पोचई एवं कीट व्याधि ग्रसित दानों को अलग कर लेना चाहिए। नमक घोल द्वारा बीज का चयन पश्चात बीजों को साफ पानी से धो लेना चाहिए, ताकि अंकुरण प्रभावित न हो।

बीज उपचार

प्राप्त बीजों को उपचारित कर ही बोवे इसके लिए 10 ग्राम ट्राइकोडरमा विरीडी प्रति किलो बीज की दर से उपयोग करें या 2-3 ग्राम कार्बेंडाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यूपी या मैनकोज़ेब 75 प्रतिशत डब्ल्यूपी का उपयोग प्रति किलो बीज की दर से करें।

खेत की तैयारी

फसलों के अच्छे उत्पादन हेतु खेत की तैयारी बहुत आवश्यक है। अत: मिट्टी पलटने वाले हल से 2 से 3 जुताई कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने हेतु 6 से 10 टन प्रति एकड़ गोबर की खाद या वर्मी खाद या मुर्गी खाद का भी उपयोग किया जा सकता है।

थरहा उपचार

रोपा पद्धति से धान की खेती करने वाले कृषक रोपा लगाने से पूर्व थरहा का उपचार अवश्य करें। इस हेतु कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 50 प्रतिशत एसपी 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से या क्लोरोपारीफास् 20 ईसी ढाई मिली प्रति लीटर पानी की दर से थरहा का उपचार करें जो तना छेदक कीट नियंत्रण में कारगर साबित होगा।

निरीक्षण पट्टिका

खेतों में रोपाई या बुवाई के वक्त इस बात का विशेष ध्यान रखें कि प्रत्येक 3 मीटर पश्चात डेढ़ से 2 फीट चौड़ी निरीक्षण पट्टीका अवशय छोड़ें जिससे खेत में होने वाले रोग व्याधि का निरीक्षण करने में आसानी होगी।

स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों से मतदाताओं को किया जा रहा है जागरूक

बिलासपुर। आगामी विधानसभा निर्वाचन एवं सभी निर्वाचनों में नागरिकों द्वारा शत प्रतिशत मतदान करने एवं उन्हें अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में उत्साह के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ''स्वीप'' चलाए जा रहे है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता जागरूता कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीण भी इन कार्यक्रमों में रूचि दिखा रहें और बढ़ चढ़कर जागरूकता अभियान में शामिल हो रहे है। महिला स्व सहायता समूह की दीदियां ग्रामीण महिलाओं एवं लोगों को अपने मताधिकार के उपयोग के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

बीएएसएलपी में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाक, कान व गला रोग विभाग (ईएनटी) के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म 7 जून से ऑनलाइन प्रारंभ हो चुका है। पाठ्यक्रम प्रवेश संबंधी विवरणिका, आवेदन पत्र, प्रवेश संबंधी नियम, आवेदन प्रारूप एवं अन्य जानकारी के लिए वेबसाइट https://raipur-baslp.org/ का अवलोकन कर सकते हैं।

पूर्व में निर्धारित तिथि के अनुसार आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट अथवा सामान्य डाक द्वारा 30 जून तक तथा विलंब शुल्क के साथ 3 जुलाई तक निर्धारित पते पर पहुंच जाने थे। परंतु विभागीय बैठक के निर्णय के अनुसार फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 21 जुलाई 2023 तक कर दिया गया है।

आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट अथवा सामान्य डाक द्वारा 21 जुलाई 2023 तक कक्ष क्रमांक-244, सेकेंड फ्लोर, डिपार्टमेंट ऑफऑडियोलॉजी एंड स्पीच थेरेपी यूनिट, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर हॉस्पिटल रायपुर के पते पर पहुंच जाना चाहिए। व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर कार्यालय में प्रस्तुत आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। प्रवेश से सम्बन्धित अन्य जानकारी के लिए दूरभाष क्रमांक 07712890137 पर कार्यालयीन समय पर सम्पर्क किया जा सकता है। इस पाठ्यक्रम को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) से मान्यता प्राप्त है।

पर्यवेक्षकों के 440 रिक्त पदों पर होगी भर्ती

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर बड़ी संख्या में शासकीय नौकरियों में युवाओं की भर्ती की जा रही हैं। इसी कड़ी में राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) के 440 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन रिक्त पदों पर नियुक्ति छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से की जाएगी।

पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा के लिए केवल छत्तीसगढ़ की मूल निवासी महिला उम्मीदवार ही पात्र होंगी। परीक्षा खुली सीधी भर्ती और परिसीमित सीधी भर्ती के माध्यम से ली जाएगी। खुली सीधी भर्ती के लिए कुल 220 पद हैं, जिसमें सभी वर्गों की महिलाएं आवेदन कर सकती है। इसी तरह परिसीमित सीधी भर्ती में भी 220 पद हैं, जिसमें कार्यरत पात्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आवेदन कर सकेंगी।

इस बार रीपा में बनी गेड़ी और पूजा थाली से प्रदेश मनायेगा हरेली तिहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस बार रायपुर जिले के कोसरंगी ग्राम के रीपा में हरेली तिहार को पारंपरिक रूप से मनाने के लिए एक अनूठी पहल की जा रही है। रीपा में गेड़ी एवं पूजा थाली का निर्माण किया जा रहा है। जिसे आमजन बाजार में खरीद सकेंगे और हरेली तिहार का उत्सव मना सकेंगे। इस थाली में स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं बंसोड़ जाति लोगों द्वारा पूजा में उपयोग होने वाले सामग्री जैसे काला तिल, हल्दी, सुपाड़ी, रुई-बाती, कपूर-कुवारी धागा, मौली धागा, चुनरी, उड़द दाल, जवा, दशांग, रोली, कुमकुम, गुलाल, चंदन, अगरबत्ती, हवन सामग्री, लकड़ी (पलास मदार, पीपल, बेल, फुड़हर, आम, गुलर, कुशा, खैर) एवं गेड़ी का निर्माण किया जा रहा है। पूजा थाली 85 रूपए एवं गेड़ी 120 रूपए प्रति नग की दर से खरीदा जा सकता है।

हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का सबसे पहला त्यौहार है, जो लोगों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आस्था से परिचित कराता है। हरेली का मतलब हरियाली होता है, जो हर वर्ष सावन महीने के अमावस्या में मनाया जाता है। हरेली मुख्यत: खेती-किसानी से जुड़ा पर्व है। इस त्यौहार के पहले तक किसान अपनी फसलों की बोआई या रोपाई कर लेते हैं और इस दिन कृषि संबंधी सभी यंत्रों नागर, गैंती, कुदाली, फावड़ा समेत कृषि के काम आने वाले सभी तरह के औजारों की साफ-सफाई कर उन्हें एक स्थान पर रखकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। घर में महिलाएं तरह-तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन खासकर गुड़ का चीला बनाती हैं। हरेली में जहां किसान कृषि उपकरणों की पूजा कर पकवानों का आनंद लेते हैं, आपस में नारियल फेंक प्रतियोगिता करते हैं, वहीं युवा और बच्चे गेड़ी चढ़ने का मजा लेते हैं।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए शासन द्वारा बीते साढ़े चार वर्षों के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के क्रम में स्थानीय तीज-त्यौहारों पर भी अब सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं। इनमें हरेली तिहार भी शामिल है। जिन अन्य लोक पर्वों पर सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं - तीजा, मां कर्मा जयंती, मां शाकंभरी जयंती (छेरछेरा), विश्व आदिवासी दिवस और छठ। अब राज्य में इन तीज-त्यौहारों को व्यापक स्तर पर मनाया जाता है, जिसमें शासन भी भागीदारी बनता है। इन पर्वों के दौरान महत्वपूर्ण शासकीय आयोजन होते है तथा महत्वपूर्ण शासकीय घोषणाएं भी की जाती है। वर्ष 2020 में हरेली पर्व के ही दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोधन न्याय योजना की शुरूआत की थी जो केवल 03 वर्षों में अपनी सफलता को लेकर अन्य राज्यों के लिए नजीर बन गई है।

इस बार हरेली में आम-नागरिकों को वन विभाग की ओर से सशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी गेड़ी

मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर वन-विभाग कर रहा है तैयारी
वन विभाग के कार्यालयों और सी-मार्ट में होगी बिक्री
स्थानीय स्तर पर लोग बसोड़ों से भी खरीद सकेंगे गेड़ियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस बार हरेली त्यौहार पर शासन द्वारा आम-नागरिकों के लिए गेड़ी की सशुल्क व्यवस्था की जाएगी। वन-विभाग के कार्यालयों और सी-मार्ट में गेड़ियां उपलब्ध रहेंगी, जिन्हें आम लोग निर्धारित शुल्क देकर खरीद पाएंगे। स्थानीय स्तर पर इच्छुक लोगों को बसोड़ों के जरिये भी गेड़ी सशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इससे बसोड़ों को भी आय प्राप्त होगी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीनिवास राव ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर वन-विभाग द्वारा गेड़ियों का निर्माण करके विक्रय किया जाएगा। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। त्यौहार के दिन ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है, परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते हैं। गेड़ी चढ़कर ग्रामीण-जन और कृषक-समाज वर्षा ऋतु का स्वागत करता है। वर्षा ऋतु में के दौरान गांवों में सभी तरफ कीचड़ होता है, लेकिन गेड़ी चढ़कर कहीं भी आसानी से आया-जाया जा सकता है। गेड़ियां बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबरी दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उसे दो भागों में बांटा जाता है, उसे रस्सी से फिर से जोड़कर दो पउवा बनाया जाता है। यह पउवा असल में पैरादान होता है, जिसे लंबाई में पहले काटे गए दो बांसों में लगाई गई कीलों के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती है, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है।

तीन लाख 33 हजार हेक्टेयर में खरीफ फसलों की हो चुकी बोनी

किसानों को 4.91 लाख क्विंटल बीज और 6.73 लाख टन उर्वरक वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चालू खरीफ सीजन में राज्य में 3 जुलाई की स्थिति में 3 लाख 33 हजार 100 हेक्टेयर में विभिन्न प्रकार की खरीफ फसलों की बोआई की जा चुकी है। खरीफ फसलों में धान की बोआई सर्वाधिक 2 लाख 82 हजार 930 हेक्टेयर में हुई है। चालू खरीफ सीजन में राज्य में 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर में खरीफ फसलों की खेती का लक्ष्य रखा गया है, जो खरीफ 2022 के लक्ष्य से लगभग एक लाख हेक्टेयर अधिक है। मानसून की देरी के चलते राज्य में खरीफ फसलों की बोआई प्रभावित हुई है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मक्का की 18890 हेक्टेयर में, कोदो 1610 हेक्टेयर में बोनी हो चुकी है। कुटकी और रागी की बोआई भी किसान कर रहे हैं। दलहनी फसलों की बोआई का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। राज्य में अरहर, मूंग, उड़द, कुल्थी की बोआई 1650 हेक्टेयर में पूरी की जा चुकी है। तिलहनी फसलों की बोनी 1860 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें सर्वाधिक 1170 हेक्टेयर में मूंगफली की बोआई हुई है। साख-सब्जी और अन्य फसलों की बोनी 16090 हेक्टेयर में की जा चुकी है, जबकि गन्ना की बोआई 9940 हेक्टेयर में हुई है।

प्रदेश में 3 जुलाई तक औसत वर्षा 170.1 मि.मी दर्ज की गई है, जो कि इसी अवधि की 10 वर्षों की औसत वर्षा 212.7 मि.मी से 42.6 मि.मी कम है। गत वर्ष इसी अवधि में 160.6 मि.मी वर्षा दर्ज की गई थी। चालू खरीफ सीजन में प्रदेश में 10.18 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य है, जिसके विरूद्ध अब तक 7.22 लाख क्विंटल का भण्डारण किया जा चुका है। किसानों को 4.91 लाख क्विंटल बीज का वितरण किया गया है, जो कि भण्डारण का 68 प्रतिशत है। खरीफ 2023 में 12.19 लाख मीट्रिक टन वितरण के लक्ष्य के विरूद्ध 12.30 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का भण्डारण सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में किया जा चुका है। राज्य के किसानों द्वारा अब तक कुल 6.73 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का उठाव किया गया है, जो कि कुल भण्डारण का 55 प्रतिशत है।

तिलई गौठान ने खोला महिलाओं की तरक्की का रास्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजीविका गतिविधियों के संचालन से महिलाएं बढ़ीं सफलता की ओरगौठानों ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए तरक्की के कई रास्ते खोल दिए हैं। इन रास्तों पर चलते हुए महिलाएं तेजी से आगे बढ़ कर अपना नाम रोशन करने लगी हैं। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा विकासखंड के तिलई गौठान से जुड़कर कई महिला समूह आजीविका गतिविधियां संचालित कर रही हैं। महिलाएं अब आत्म निर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं, यह अन्य महिला समूहों के लिए मिशाल है। इससे इनका गांव में मान सम्मान भी बढ़ गया है। साथ ही महिलाओं के साथ उनके परिवार भी आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं।

तिलई गौठान में आरती समूह द्वारा वर्मी कंपोस्ट, बतख पालन, जय मां लक्ष्मी समूह द्वारा मुर्गी पालन, मछली पालन, जय अन्नधारी समूह द्वारा सब्जी उत्पादन किया जा रहा है। ये महिलाएं अब दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं। इन महिलाओं का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार की सुराजी गांव योजना बेहद लाभकारी साबित हो रही है। यह महिलाओं के लिए आर्थिक उन्नति का माध्यम बन रही हैं। गौठान में आजीविका गतिविधि के संचालन होने से अब महिलाओं को गांव में ही स्वरोजगार प्राप्त हो रहा है।

आरती महिला समूह की अध्यक्ष सरोज देवी साहू ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से 75 हजार रूपए और बैंक लिंकेज के माध्यम से लगभग दो लाख रूपए की आर्थिक सहायता मिली, जिससे समूह की महिलाएं बेहतर कार्य कर सकी। महिलाओं ने लगभग 3 हजार 494 बोरी जैविक खाद तैयार कर उसे सोसाइटी को उपलब्ध कराया। समूह ने वर्मी कंपोस्ट से 1 लाख 97 हजार 360 रूपए और केंचुआ बेचकर 30 हजार रुपए का लाभ प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि उनके समूह द्वारा बतख पालन भी किया जा रहा है। समूह द्वारा बतख पालन से 30 हजार रुपए का मुनाफा कमा लिया है।

जय मां लक्ष्मी महिला समूह की अध्यक्ष सत्या सोनी ने बताया कि बिहान के माध्यम से उन्हें 75 हजार रूपए एवं बैंक लिंकेज से एक लाख रुपए की राशि आर्थिक सहायता के रूप में मिली।

किसानों को 4476 करोड़ 75 लाख रुपए का कृषि ऋण वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में खरीफ सीजन 2023 के लिए 6100 करोड़ रुपए कृषि ऋण के रूप में किसानों को उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 4476 करोड़ 75 लाख रूप का ऋण किसानों को दिया जा चुका है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 73 प्रतिशत है। खरीफ 2022 में राज्य के किसानों को इसी अवधि में 3667 करोड़ 85 लाख रूपए का ऋण वितरित किया गया था। चालू खरीफ सीजन में किसानों को वितरित कृषि ऋण बीते वर्ष इसी अवधि में वितरित ऋण से लगभग 808 करोड़ 90 लाख रूपए अधिक है। खरीफ सीजन 2022 में किसानों को 5563 करोड़ 60 लाख रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण दिया गया था। गौरतलब है कि राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा कृषि काश्त में कमी लाने के लिए किसानों को रियायती दर पर उच्च गुणवत्ता की जैविक खाद सहकारी समितियों के माध्यम से कृषि ऋण के रूप में प्रदाय किए जाने की व्यवस्था शासन द्वारा की गई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि सुराजी गांव योजना के तहत अब तक गांव में निर्मित एवं संचालित 10,235 गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत ग्रामीण किसानों एवं पशुपालकों से 2 रूपए किलो में गोबर की खरीदी नियमित रूप से की जा रही है। क्रय गोबर से वृहद पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट का उत्पादन महिला समूहों द्वारा किया जा रहा है। गौठानों में अब तक महिला समूहों द्वारा अब तक लगभग 35 लाख क्विंटल जैविक खाद का उत्पादन किया गया है, जिसमें से 27 लाख क्विंटल से अधिक खाद का उठाव और उपयोग राज्य के किसानों सहित अन्य संस्थानों द्वारा किया जा चुका है। वर्तमान में राज्य के 7300 गौठानों में 6.34 लाख क्विंटल जैविक खाद उपलब्ध है, जिसे किसानों को उपलब्ध कराने के लिए पैकेजिंग कर सहकारी समितियों को भेजा जा रहा है।

जल जीवन मिशन के कार्यों की हो रही लगातार समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल की निरंतर आपूर्ति की जा रही है। जल जीवन मिशन के कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, जिसके परिपालन में आज कोण्डागांव कलेक्टर दीपक सोनी ने जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने ग्राम पंचायतवार स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी पूर्ण कार्यों को अनुबंध के अनुसार छह माह तक ठेकेदार द्वारा स्वयं संचालित करने के उपरांत ही हस्तांतरित किया जाएगा। साथ ही साथ पंप संचालन का कार्य स्थानीय युवाओं के माध्यम से सुनिश्चित किए जाने पर भी जोर दिया, जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके।

कलेक्टर सोनी ने घर-घर तक नल के माध्यम से जल पहुंचाने वाली इस योजना को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी घरों तक पर्याप्त मात्रा में जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन हेतु स्वीकृत घरों की संख्या और वास्तविक घरों की संख्या की जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्होंने क्रियान्वयन सहयोगी एजेंसी के माध्यम से सर्वेक्षण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत सभी कार्यों की पूर्णता एवं गुणवत्ता के आधार पर ही हस्तांतरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी और पूर्ण हो चुके कार्यों के सत्यापन के लिए क्रियान्वयन सहयोगी एजेंसियों को कार्यवार दायित्व सौंपे जाने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर सोनी ने अगस्त माह तक सभी कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कार्य में आ रही रुकावट के संबंध में भी जानकारी ली और उसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने पंप संचालन के लिए विद्युत कनेक्शन की आवंश्यकता तथा सोलर पंप के स्थापना, योजना के क्रियान्वयन में गति लाने के लिए सभी संबंधित विभागों के मध्य आवश्यक समन्वय में किसी भी प्रकार की कमी नहीं लाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता एचएस मरकाम सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सुबह दौड़ने से पहले रखें इन बातों का ख्याल, शरीर को नहीं होगा नुकसान

प्रतिदिन व्यायाम करना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। यह न केवल शरीर को तंदरुस्त बनाये रखता है बल्कि मानसिक रूप से भी आपको क्रियाशील बनाता है। सेहत को अच्छा रखने के लिए कई लोग सुबह दौड़ना पसंद करते हैं। दौड़ने से कई तरह की शारीरिक समस्याओं से हम बचे रह सकते हैं। सुबह दौड़ना हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। लेकिन दौड़ते समय हमें कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। क्योंकि कई बार हम दौड़ने तो निकल जाते हैं, लेकिन इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। दौड़ने से सर्वाधिक कैलोरी बर्न होती है जो हमारे शरीर की कई सारी बीमारियों को बहा देती है। अक्सर हम दौड़ते से पहले कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जो हमें नुकसान पहुंचाती हैं।

वॉर्मअप से करें शुरुआत

सुबह अगर आपको भी दौड़ना पसंद है, तो सबसे पहले वार्म अप करें। इसको करने से हमारा शरीर एक्सरसाइज के लिए तैयार हो जाता है। वॉर्मअप करने से हमारी मांसपेशियां खिचती है, जिससे क्रैंप होने से आप खुद को बचा सकते हैं। इतना ही नहीं हड्डियों के लिए भी वॉर्मअप बेहद ही जरूरी होता है। इससे हड्डियों में फ्रैक्चर होने से बचा जा सकता है।

बॉडी को हाइड्रेट रखें

अक्सर लोगों का मानना होता है कि दौड़ते समय पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन आपको बता दें कि, इस दौरान ये बहुत जरूरी होता है कि हम अपनी बॉडी को पूरी तरह से हाइड्रेटेड रखें। ऐसा करने से शरीर डिहाइड्रेशन का शिकार नहीं होता और आप अच्छे से एक्सरसाइज कर सकते हैं।

दौड़ते समय रखें बॉडी पोस्चर का ध्यान

कई बार लोग दौड़ते जरूर हैं लेकिन सही तरीके से नहीं दौड़ते। यदि आप गलत तरीके से दौड़ेंगे, तो आपको बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए इस बात का ध्यान जरूर रखें की दौड़ने के साथ साथ सही पोस्चर होना भी जरूरी होता है।

रनिंग जूते पहने

दौड़ने से पहले इस बात का ध्यान भी जरूर रखें कि आप रनिंग जूते पहनकर ही दौड़ रहे हैं। यदि आप किसी भी तरह के जूते या चप्पल पहनकर दौड़ेंगे, तो आप खुद के घुटनों को डैमेज कर सकते हैं। इसलिए ये भी जरूरी होता है कि आप सही जूतों का चयन करें।

समय को ध्यान में रखते हुए दौड़े

अगर आपको भी सुबह दौड़ना पसंद है, तो इस बात का ध्यान रखें कि सुबह सूरज उगने के पहले अपनी दौड़ को खत्म कर लें। वो इसलिए क्योंकि जब सूरज निकलने लगता है, तो उसके कारण हमें बहुत ज्यादा पसीना आना शुरू हो जाता है, जिससे शरीर का पानी बहुत जल्दी खत्म होने लगता है। इसलिए सूरज उगने के पहले दौड़ने की सलाह दी जाती है।

सही नहीं है खाने के बाद दौड़ना

ज्यादा खाने के बाद दौड़ाना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। खाने के तुरन्त बाद किसी भी प्रकार की एक्सरसाइज न करें और ना ही एक्सरसाइज के तुरन्त बाद खाना खाएं।

नजरअंदाज न करें लघुशंका

एक्सरसाइज करते समय अगर आपको यूरीनेशन (लघुशंका)की आवश्यकता महसूस होती है तो इसे नजरअंदाज न करें। नजरअंदाज करने पर आपको चक्कर आने, पेट सम्बन्धी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पानी जरूर पीयें

रनिंग करते समय अगर आपका गला सूख जाता है तो पानी अवश्य पीएं ऐसा न करने पर डिहाइड्रैशन की समस्या हो सकती है। आपको बहुत अधिक थकान भी महसूस होगी।

राधिका मदान क्वालिटी वर्क और ग्रोथ के लिए लगातार कर रही हैं प्रयास

अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों का किया दौरा

राधिका मदान एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो क्वॉलिटी वर्क और ग्रोथ के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। पांच साल से भी कम समय में, राधिका ने बारह से अधिक प्रोजैक्ट्स पर काम किया है, जिनमें से प्रत्येक जॉनर, कॉन्सेप्ट और दृष्टिकोण में भिन्न है, जिससे उनकी वर्सटाइल प्रतिभा मजबूत हुई है। पिछले साल अभिनेत्री ने छह प्रोजैक्ट्स की शूटिंग पूरी की और इस साल सात की रिलीज की प्रतीक्षा कर रही है। इनमें से, कुत्ते, सास बहू और फ्लेमिंगो और कच्चे लिम्बु को उनके परफॉर्मेंस के लिए पहले ही ढेर सारा प्यार और प्रशंसा मिली है।

ट्रेड ऐनालिस्ट तरण आदर्श कहते हैं, राधिका एक बहुत अच्छी अभिनेत्री हैं, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि काम करते रहना और विकसित होना, यही वह अपनी फिल्मों के साथ कर रही है। उदाहरण के लिए, कुत्ते में, वह एक बहुत ही कठिन भूमिका थी, लेकिन उसने इसे बहुत अच्छे से किया। यह एक कॉम्प्लेक्स, डार्क फिल्म थी। क्वालिटी की मशाल को आगे बढ़ाते हुए राधिका ने ध्यान से ऐसी कहानियों को चुना है जो भाषा और क्षेत्र की सीमाओं को पार कर ग्लोबल कनेक्ट स्थापित करती हैं। अपनी पहली फिल्म 'मर्द को दर्द नहीं होता' से लेकर अपनी आगामी 'सना' तक, राधिका ने दुनिया भर के सिनेप्रेमियों से शब्बासी प्राप्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों का दौरा किया। राधिका ने हाल ही में यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल में अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता और यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री ऋषि सनक से भी सराहना प्राप्त की।

ट्रेड जर्नलिस्ट अतुल मोहन ने अभिनेत्री के उज्वल भविष्य की पुष्टि करते हुए कहा, राधिका सही मायने में एक वर्सटाइल अभिनेत्री हैं, जिन्होंने किसी भी लेबल को खुद को अपनी पहचान बनने की अनुमति नहीं दी है। अपनी पहली ही फिल्म से उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट चुने हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गये है। इस साल विशेष रूप से एक के बाद एक बेहतरीन परफॉर्मन्सेस के साथ-साथ विश्व स्तर पर प्रशंसित सना और कमर्शियल रूप से तैयार किए गए सोराराई पोटरू रीमेक के इंतजार के साथ बढ़िया रहा है। वह अपने पत्ते सही तरीके से खेल रही हैं और निश्चित रूप से भारतीय सिनेमा के भविष्य के लिए सबसे प्रॉमिसिंग नामों में से एक हैं।

हर कदम से सबको चौंकाने और दिल जीतने वाली, राधिका ने नए, अनोखे और दिलचस्प किरदार पेश करते हुए प्रत्येक फिल्म के साथ एक ताज़ा और शानदार परफॉरमेंस दिया है। ट्रेड जर्नलिस्ट रोहित जयसवाल ने उनकी फिल्मों की पसंद की प्रशंसा करते हुए कहा, राधिका मदान सबसे विविध फिल्मोग्राफी के साथ इस पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। वह वर्तमान में देश के कुछ सबसे विश्वसनीय नामों के साथ काम कर रही हैं और उनकी कहानियों की चॉइस भी बेमिसाल है। उनमें खूबसूरती और टैलेंट का मेल है, जो आलिया भट्ट से मिलता जुलता है। उन्हें वास्तव में अगली फिल्म एक रोमांटिक लव स्टोरी करनी चाहिए। फिल्मों के चॉइस के लिए सराही गई, राधिका मदान कंटेंट और मनोरंजन का सही मिश्रण बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही हैं।

बजाऊंगी नहीं, बजवाऊंगी सुष्मिता सेन की सीरीज ताली का शानदार मोशन पोस्टर आउट

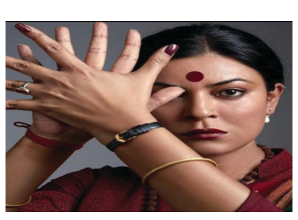

सुष्मिता सेन अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताली को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। वे बहुत जल्द ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता गौरी सावंत का किरदार निभाती नजर आएंगी। दरअसल सुष्मिता ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताली का मोशन पोस्टर शेयर किया है जिसमें उनका एक अलग और हटकर अवतार देखने को मिला है।

सुष्मिता स्टारर उनकी ये वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज की जाएगी। पोस्टर में सुष्मिता माथे पर बड़ी लाल बिंदी लगाए दिख रही हैं। इस ट्रेलर में वे कहती सुनी जा सकती हैं, तू मुश्किल दे भगवान मैं आसान करूं, तू दे दे तपती रेत, मैं गुलिस्ता करूं, तू लाख गिरा दे बिजली मुझपे, मैं तो सतरंग बनूं। मैं ताली बजाती नहीं, बजवाती हूं।

ताली का मोशन पोस्टर देखते ही फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ गई है। लोग सुष्मिता को इस अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट किया- इस मास्टरपीस के लिए इंतजार नहीं कर सकता, लेडी बॉस। एक और फैन ने लिखा- यह थिएटर टैलेंट को रॉक करने वाला है, परफॉर्मेंस में खूबसूरती के साथ बिना किसी गलती के एक्टिंग के टैलेंट का मैच है।

बता दें कि ताली गौरी सावंत की कहानी है, जिनका जन्म गणेश के तौर पर हुआ था। गौरी साल 2013 में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) मामले में दायर की गई याचिका के याचिकाकर्ताओं में से एक थी। इनका इस पूरे मामले में अहम रोल था। इस याचिका पर साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था, जिसमें ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को तीसरे लिंग के रूप में मान्यता दी गई थी। सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज ताली को रवि जाधव ने डायरेक्ट किया है। बता दें कि आर्या और आर्या 2 की कामयाबी के बाद उन्होंने आर्या 3 की शूटिंग भी हाल ही में पूरी की थी। उनकी ये सीरीज भी बहुत जल्द ओटीटी पर धमाल मचा सकती है।

करीना कपूर की द क्रू की रिलीज डेट का ऐलान, 22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी

एकता कपूर और रिया कपूर की फिल्म द क्रू काफी समय से चर्चा में है। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसकी कहानी तीन महिलाओं पर आधारित है। फिल्म में करीना कपूर, कृति सैनन और तब्बू की तिकड़ी देखने को मिलेगी। हाल ही में फिल्म की शूटिंग खत्म होने की खबर आई थी। अब फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी।

फिल्म अपने कलाकारों की वजह से शुरू से ही चर्चा में है। निर्माता जोड़ी एकता और रिया कपूर ने 2018 की फिल्म वीरे दी वेडिंग के बाद फिर से हाथ मिलाया है। लोगों की दिलचस्पी का कारण करीना, कृति और तब्बू की साझेदारी भी है। पहली बार ये तीनों पर्दे पर एक साथ नजर आएंगी। इनके साथ गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ भी इस फिल्म में नजर आएंगे। ऐसे में हर किसी को फिल्म की रिलीज डेट जानने की उत्सुकता थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कपिल शर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। वह इस फिल्म में एक अनोखी भूमिका निभाएंगे। ज्विगाटो के बाद अब वह इस फिल्म में दिखेंगे। फिल्म में दिलजीत दोसांझ की एंट्री ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसकी घोषणा करते हुए रिया ने कहा था, दिलजीत को कास्ट में शामिल करने के लिए हम रोमांचित हैं। यह फिल्म बहुत खास होने वाली है, यह आपके द्वारा पहले देखी गई किसी भी एंटरटेनर फिल्म से अलग होगी।

द क्रू का निर्देशक राजेश कृष्णन कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म द क्रू की कहानी अलग-अलग आयु वर्ग की 3 महिलाओं के जीवन के इर्द-गिर्द घूमेगी। ये तीनों महिलाएं कुछ अलग करना चाहती हैं, लेकिन उनकी किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही सोच रखा होता है। उनके जीवन में कई चुनौतियां आती हैं, जिनको फिल्म में दिखाया जाएगा। इन चुनौतियों के साथ ही फिल्म कॉमेडी का तड़का लगाएगी।

रिया और एकता ने इससे पहले फिल्म वीरे दी वेडिंग का निर्माण किया था, जिसे शशांक घोष ने निर्देशित किया था। साल 2018 की इस फिल्म में करीना के साथ सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया नजर आई थीं। यह फिल्म भी इन 4 सहेलियों की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म के बोल्ड कंटेंट को लेकर खूब बवाल भी हुआ था। द क्रू के बारे में जानने के लिए लोगों को अब इसके टीजर का इंतजार है।

खुली जुल्फें हाथ में छाता लिए हुमा कुरैशी का मानसून लुक हुआ वायरल

36 वर्षीय बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी एक बार फिर अपने लुक को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं हैं। हाल ही में हुमा ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वह हाथ में छाता पकड़े हुए नजर आ रही है। इन तस्वीरों में हुमा कुरैशी का अंदाज भी फैंस को काफी पसंद आ रहा है और वो उनके लुक की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। 36 वर्षीय एक्ट्रेस हुमा कुरैशी एक्टिंग के साथ-साथ अपने स्टाइलिश लुक्स को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। हुमा कुरैशी अपने फैंस से कन्केटेड रहने के लिए अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के होश तक उड़ा गए। इन तस्वीरों में फैंस को हुमा कुरैशी का अंदात बेहद पसंद आ रहा है और वो उनके लुक की जमकर तारीफ करते नजर आ रहा हैं। हुमा ने जो लेटेस्ट फोटोशूट कराया है उसमें उनका मानसून लुक देखने को मिल रहा हैं। व्हाइट और येलो कलर की प्लंजिंग नेकलाइन वाली ब्रालेट के साथ पलाजो में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी बेहद हॉट एंड खूबसूरत लग रही हैं। हाथ में छाता लिए हुमा कुरैशी कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही है, फैंस भी उनके इस लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। मल्टीकलर ईयरिंग्स, खुली जल्फें और यूं मुस्कुराना...हुमा कुरैशी का ये अंदाज फैंस का दिल लूट रहा है। डीपकट टॉप में हुमा कुरैशी इतनी हसीन लगी रही हैं, उनकी तस्वीरों को देखकर आप भी अपना दिल हार जाएंगे। इन तस्वीरों में अपने लुक को शानदार बनाने के लिए एक्ट्रेस ने मेकअप भी मिनिमम रखा है।

अक्षय कुमार की ओह माय गॉड-2 का नया पोस्टर जारी, 11 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म

अक्षय कुमार की ओह माय गॉड 2 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है। यह फिल्म ओह माय गॉड का सीक्वल है। अब अक्षय ने ओह माय गॉड 2 का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें वो भगवान शिव के अवतार में नजर आ रहे हैं। इसके साथ अक्षय ने खुलासा किया कि ओह माय गॉड 2 का टीजर जल्द रिलीज होगा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, बस कुछ दिनों में। 11 अगस्त को सिनेमाघरों में। टीजर जल्द ही आएगा।

ओह माय गॉड 2 का निर्देशन अमित राय कर रहे हैं। अश्विन वर्दे और अक्षय इसके निर्माता हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अरुण गोविल और यामी गौतम जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। 11 अगस्त को ओह माय गॉड 2 का सामना सनी देओल की गदर 2 से होगा। इसके अलावा आने वाले दिनों में अक्षय हेरा फेरी 4, वेलकम 3, स्टार्ट अप, हाउसफुल 5 और बड़े मियां छोटे मियां 2 जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

रणबीर की एनिमल, शाहरुख की जवान, वीएफएक्स के काम के लिए फिल्मों की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा, एनिमल, जिसे 11 अगस्त को रिलीज़ करने की पुष्टि की गई थी, वीएफएक्स मुद्दे के कारण 4 महीने की देरी हो गई है। वीएफएक्स में देरी के कारण भी फिल्म को तीन-तरफ़ा स्वतंत्रता दिवस क्लैश से पीछे हटना पड़ा, जिससे गदर 2 और ओ माई गॉड 2 के लिए स्लॉट खुला रह गया!

रिपोर्ट के अनुसार एनिमल अब दिसंबर महीने में रिलीज़ होगी। एनिमल भूषण कुमार और मुराद खेतानी की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, और वे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के काम में किसी प्रकार की दखलंदाजी नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें विश्व स्तरीय फिल्म देने के लए समय की आवश्यकता है। फिल्म को पूरा करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही थीं, लेकिन एक्शन सीन इतने भव्य हैं कि 11 अगस्त के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ संस्करण तैयार करना संभव नहीं है। संदीप के लिए विजन और आउटपुट देखने के बाद जो तैयार हुआ उसे देखने के बाद रणबीर कपूर के साथ निर्माताओं ने फिल्म को 11 अगस्त के स्थान पर इसे दिसंबर तक टालने का फैसला किया है।

एनिमल रिलीज की अस्थायी तारीख 1 दिसंबर है, जो टाइगर 3 के 3 सप्ताह बाद और डंकी से 3 सप्ताह पहले है। टीम का मानना है कि 1 दिसंबर को आने से फिल्म को 3 सप्ताह का समय मिलेगा क्योंकि कोई भी अन्य फिल्म 3 घटना गाथाओं - टाइगर 3, एनिमल और डंकी के बीच में नहीं आना चाहेगी। यह एक अच्छी तरह से रणनीतिक तारीख है जिसे उन्होंने तय किया है, और 4 महीने की देरी से निर्माताओं को वीएफएक्स का काम पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।

पठान के बाद अब प्रशंसकों को शाहरुख खान की फिल्म जवान का इंतजार है। पहले यह फिल्म 2 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन वीएफएक्स के काम को पर्याप्त समय देने के लिए इसकी रिलीज आगे बढ़ा दी गई है। अब यह फिल्म 7 सितंबर को आएगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कलेक्टर रघुवंशी के निर्देश पर मनरेगा के तहत किया गया निःशुल्क पौधों का वितरण

धमतरी। कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर उद्यानिकी विभाग के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत आज कलेक्टोरेट परिसर में फलदार पौधों कटहल, आम, जामुन, नींबू और पपीता का निःशुल्क वितरण किया गया। अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक ने वृक्षारोपण अभियान के तहत इन पौधों का वितरण हितग्राहियों को किया। सहायक संचालक, उद्यान श्री डी.एस.कुशवाहा ने बताया कि प्रति सोमवार को कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में उपस्थित हितग्राही एवं अन्य ग्रामीणजन मांग अनुसार फलदार पौधे प्राप्त कर अपने घर, बाड़ी अथवा अन्य रिक्त स्थलों में ले जाकर रोपण कर सकते हैं। सहायक संचालक ने यह भी बताया कि उद्यानिक विभाग के तहत जिले की पांच रोपणियों में मनरेगा के तहत लगभग दो लाख पौधे उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस बरसात के मौसम में शासकीय कार्यालय, ग्राम पंचायत सहित ग्रामीण फलदार एवं छायादार पौधे संबंधित विकासखण्ड स्थित शासकीय उद्यान रोपणियों से प्राप्त कर रोपण कर सकते हैं।

रीपा के सफल संचालन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बेमेतरा। कलेक्टर पदुम सिंह एल्मा की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) के सफल संचालन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्रीमती लीना मण्डावी सहित सभी जनपद पंचायत सीईओ, जिला रीपा नोडल अधिकारी, रीपा में कार्यरत टी.एस.ए. एवं हितग्राही उपस्थित थे। कार्यशाला के दौरान संबंधित रीपा में चल रहे गतिविधि के साथ-साथ भविष्य में किए जाने वाले कार्यों, योजनाओं, मार्केट लिंकेज एवं अधिक से अधिक आय प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में कलेक्टर ने ग्रामीण औद्योगिक पार्क में संचालित आर्थिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दशा और दिशा बदलने वाली है। उन्होंने ग्रामीण औद्योगिक पार्क में तैयार उत्पाद की बिक्री के लिए प्रतियोगी भावना के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन उत्पादों को वहां तैयार किया जाएगा, उनके कच्चे मूल्य की कुल लागत के साथ ही उसकी खपत पर भी पूरा विचार करते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने तैयार उत्पादों की खपत के लिए खुले बाजार में मांग को बढ़ाने पर भी जोर दिया, जिससे वहां कार्य करने वालों को अधिक से अधिक मुनाफा हो सके। उन्होने जिले के सभी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में स्थान चिन्हांकित कर वृक्षारोपण करने को कहा। जिलाधीश ने उत्पाद एजेंसी को कहा कि रीपा में लगने वाले समस्त उपकरण उच्च क्वालिटी के हैं, इस लिए इनसे निर्माण होने वाले उत्पाद भी उच्च क्वालिटी और मार्केट प्रोडक्ट के समकक्ष होना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ

बीजापुर। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, छत्तीसगढ़ योग आयोग के सदस्य राजेश राना, कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा एवं सीईओ जिला पंचायत रवि कुमार साहू ने गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए चयनित योग प्रेरकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। वहीं कार्य योजना पर आधारित कैलेण्डर का विमोचन किया गया। छत्तीसगढ़ योग आयोग एवं यूनिसेफ के साझा प्रयास से यह कार्यक्रम संचालित होगा जिसमें जिले के सभी 24 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में योग प्रेरकों गर्भवती महिलाओं का योगाभ्यास कराएंगी। योग प्रेरकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण के बाद अंतिम रूप से चयनित योग प्रेरकों को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम ने कहा कि बीजापुर जिला आदिवासी बाहुल्य जिला होने के साथ-साथ सुदूर क्षेत्र और संवेदनशील है। यहां की ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता लाकर गर्भावस्था के दौरान खान-पान और दिनचर्या के बारे में बताना एवं स्वास्थ्य देखभाल की नियमित सलाह देना आवश्यक है। सेवा भाव से कार्य करने ग्रामीण महिलाओं की समस्याओं को समझते हुए उनको योगाभ्यास का लाभ देने एवं समय-समय पर कार्यो का निरीक्षण एवं समीक्षा करने की बात कही।

विभिन्न रोगों से पीड़ित बच्चों का लगातार हो रहा है सफल उपचार

चिरायु योजना से मिल रहा है बच्चों को नया जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) जन्म से ही स्वास्थ्य गत समस्याओं से पीड़ित बच्चों के लिए जीवन दायिनी साबित हो रही है। इस योजना का उद्देश्य बच्चों में 04 प्रकार की परेशानियाँ जैसे डीफेक्ट एट बर्थ, डिसएबिलिटी, डेवलेपमेन्टल डिले, डेफिसिएन्सी की जाँच एवं उपचार कर रोगों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। कार्यक्रम अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों जो कि आंगनबाड़ी व सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत है उन्हें शामिल किया गया है।

कार्यक्रम अंतर्गत साल में 02 बार समस्त ऑगनबाडियों में दर्ज बच्चे एवं साल में 01 बार समस्त शासकीय विद्यालयों का भ्रमण कर समस्त बच्चों का प्रारंभिक स्वाथ्य जाँच किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

योजना के अंतर्गत महासमुंद जिले में अब तक 874 बच्चों के लिए वरदान साबित हुआ है। इसमें 126 कटे-फटे होंठ एवं तालु, 195 क्लब फुट, 82 कंजेनाईटल केटेरेक्ट 21 न्युरल ट्यूब डिफेक्ट, 450 जन्मजात हृदय रोग (कंजेनाईटल हार्ट डीसिस) से पीड़ित बच्चों का सफल उपचार किया गया है। जिले में जाँच हेतु 09 मोबाईल स्वास्थ्य टीम काम कर रही हैं। प्रत्येक टीम में 02 चिकित्सक, 01 फार्मासिस्ट, 01 लैब टेकनिशियन, 01 ए.एन.एम. की पदस्थापना की गई है।

ग्राम तमोरा विकासखण्ड अंतर्गत बागबाहरा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में अध्ययन कर रहा बालक नीलकंठ निषाद थैलेसीमिया व स्प्लेनोमेगाली नामक बीमारी से ग्रसित था । चिरायु टीम द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला ग्राम तमोरा के समस्त बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान स्वास्थ्य परीक्षण में उसके हाथ पैर सामान्य के अपेक्षा पतले पाये गये व मरीज का पेट फूले होने के साथ आँखे थोड़ी बाहर की तरफ पायी गई। बालक को अस्पताल में लाकर विशेष चिकित्सकीय दल द्वारा परामर्श व अन्य पैथोलॉजिकल जाँच करायी गई, जिसमें बालक के स्पलीन बढ़े होने के साथ कठोर पायी गई व हीमोग्लोबिन की मात्रा भी कम पायी गई। सोनोग्राफी व अन्य सूक्ष्म परीक्षण के बाद बालक को थैलिसिमिया व स्प्लीनोमेगाली नामक रोग से ग्रसित पाया गया।

थैलेसीमिया व स्प्लेनोमेगाली एक गंभीर चुनौतीपूर्ण बीमारी है जिसे एक साधारण बी.पी. एल. परिवार को उच्च चिकित्सकीय संस्थान में इलाज कराया जाने के लिए एक विशेष मनोबल व शासन की तरफ से मिलने वाली विशेष सहायता दोनो ही आवश्यक है, ऐसे में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु योजना के अंतर्गत चिरायु टीम द्वारा समय-समय पर श्री नीलकंठ को जिला स्तर व राज्य स्तरीय चिकित्सकीय संस्थान ले जाया गया और बालक की सफलतापूर्वक सर्जरी करायी गई जिसे कुछ दिनों आईसीयू में रहने के पश्चात् डिस्चार्ज कर दिया गया। अब नीलकंठ अपनी सभी सामान्य बालकों की तरह स्कूल में पढ़ाई कर रहा है और खेल-कूद के साथ ही अपनी दिनचर्या के सभी काम करने में खुद सक्षम है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही गुंजा, खुशबू की घर की आर्थिक स्थिति अब नहीं बन रही बाधक

बेरोजगारी भत्ते से युवाओं में जगा एक नया आत्मविश्वास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद की सुश्री गुंजा ध्रुव अब निश्चिंत होकर अपनी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर पा रही है। उसे अब पुस्तकें कॉपी और तैयारी संबंधित दूसरी जरूरतों के लिए घर पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। उन्होंने बताया की घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से काफी दिक्कतें होती थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा बेराजगारी भत्ता योजना लागू होने के बाद वह अब बिना फ्रिक्र के प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर पा रही है।

सुश्री ध्रुव ने बताया कि वह इस योजना के माध्यम से मिले पैसों से उन्होंने वन विभाग और कर्मचारी चयन आयोग के अंतर्गत भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन किया है। साथ ही तैयारी के लिए जरूरी पुस्तकें भी खरीदी हैं। इसी तरह गरियाबंद के नहरगांव की रहने वाली बीएससी की छात्रा खुशबू नागेश और कोठीगांव गांव की रहने वाली भजेश्वरी ठाकुर ने बताया कि बेरोजगारी भत्ते की राशि से दैनिक जरूरत की चीजों की भी पूर्ति हो रही है। साथ ही बेफिक्र होकर आगे की पढ़ाई जारी रख प्रतियोगी परीक्षा पास करने का भी आत्मबल मिल रहा है। खुशबू और भजेश्वरी को कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। बेरोजगारी भत्ता योजनांतर्गत गरियाबंद जिले में अभी तक 3678 हितग्राहियों को पिछले 3 महीनों में 2 करोड़ 39 लाख 85 हजार रुपए की राशि वितरित की जा चुकी है। साथ ही 90 से अधिक हितग्राहियों का प्रशिक्षण सत्र भी जारी है। इसके अलावा 60 से अधिक हितग्राहियों को निजी क्षेत्र में जॉब भी ऑफर किया जा चुका है।

दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के लोगों को मिल रहा हैं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जब भी हम बीमार पड़ते हैं तो मन में अस्पताल डॉक्टर की फीस लम्बी-चौड़ी तथा मंहगी दवाईयों की लिस्ट नजर आने लगती हैं। गरीब मजदूर, किसान जैसे कमजोर वर्गो के लिए यह बड़ा कठिन समय होता है। क्योंकि जान बचाने के लिए वे अपनी मेहनत की कमाई मंहगे ईलाज में खर्च कर देते हैं, ऐसे कठिन परिस्थिति में कमजोर वर्ग की सहायता के लिए शासन द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना एवं डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना जरूरतमंद मरीजों के लिए बहुत बड़ी सहारा बनी हुई हैं।

जिलें के कुल 13 हजार 672 हितग्राहियों के द्वारा कुल राशि 13.78 करोड़ रूपए का निःशुल्क ईलाज की सुविधा अलग-अलग अस्पतालों से प्राप्त किया जा चुका है। जशपुर जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल रहा है। अब तक जिलें मे 6 लाख 94 हजार 355 कार्ड बनाया गया हैं आयुष्मान भारत के जिला परियोजना संमन्वयक ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों के गांव-गांव में शिविर लगाकर छुटें हुए लोगों का प्राथमिकता से आयुष्मान कार्ड बनवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कांसाबेल विकासखंड में 68 हजार 373 कार्ड, कुनकुरी विकासखंड में 80 हजार 886 कार्ड, दुलदुला विकासखंड में 43 हजार 416 कार्ड, फरसाबहार विकासखंड में 92 हजार 459 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसी प्रकार जशपुर विकासखंड में 77 हजार 378 कार्ड, पत्थलगांव विकासखंड में 1लाख 53 हजार 191 कार्ड, बगीचा विकासखंड में 1 लाख 31 हजार 85 कार्ड, मनोरा विकासखंड में 47 हजार 567 कार्ड, बनाया जा चुका हैं।

सी.एस.सी मैनेजर द्वारा कार्ड बनाने में आ रही तकनीकि समस्या का निदान कर एवं हर एक-एक गांव की मॉनिटरिंग की जा रही हैं। साथ ही घर-घर जाकर भी आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय हैं कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना से 5 लाख और डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना से 50 हजार तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने मोतिमपुर-अमरटापू में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग और मुंगेली जिले के प्रभारी मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम मोतिमपुर-अमरटापू में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का शुभारंभ किया और बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने स्वामी आत्मानंद स्कूल में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का टीका लगाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया और उन्हें पुस्तक वितरण किया।

मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खुलने से क्षेत्र के कमजोर वर्ग के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा है कि गांव के बच्चे भी निजी स्कूलों के बच्चों के समान फर्राटेदार अंग्रेजी बोलें और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होकर अपने परिवार, समाज, गांव और प्रदेश का नाम रोशन करें। मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने ग्राम मोतिमपुर-अमरटापू के मंदिर परिसर में गढ़ कलेवा केन्द्र का शुभारंभ किया। गढ़कलेवा खुलने से यहां आने वाले श्रद्धालुजन ठेठरी, खुरमी, फरा, चीला, चौसेला जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की कला व संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इसी कड़ी में आज यहां गढ़ कलेवा का शुभारंभ किया गया। गौरतलब है कि राज्य की परंपरागत खान-पान अब युवाओं की पहली पसंद बन चुकी है। यही वजह है कि प्रदेश सहित जिले के विभिन्न जगहों में गढ़कलेवा केन्द्र खोला जा रहा है।

मंत्री गुरू रूद्रकुमार ग्राम मोतिमपुर-अमरटापू में आयोजित गुरू पूर्णिमा कार्यक्रम में भी शामिल हुए। मंत्री गुरू कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरू पूर्णिमा की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज गुरु पूर्णिमा पर्व है। यह गुरु के प्रति सम्मान का पर्व है। मान्यता है कि इस दिन गुरु का पूजन करने से गुरु की दीक्षा का पूरा फल उनके शिष्यों को मिलता है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने ग्राम मोतिमपुर-अमरटापू धाम के विकास के लिए 10 लाख रूपए देने की घोषणा की। उन्होंने बाजार में चबूतरा निर्माण, पेयजल के लिए पानी टंकी निर्माण और आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए बोरवेल खनन की भी घोषणा की। इस दौरान अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साहू, विधायक पुन्नूलाल मोहले ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति लेखनी सोनू चंद्राकर, नगर पालिका परिषद मुंगेली के अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी सहित सतनामी समाज के राज महंत और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जनचौपाल में कलेक्टर ने नागरिकों की सुनी समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित जनचौपाल में जामजनों की समस्याएं सुनी। जनचौपाल में 72 आवेदन आए जिसपर कलेक्टर ने अधिकारियों को जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बी.बी पंचभाई, एसडीएम देवेन्द्र पटेल उपस्थित थे।

जनचौपाल में संतोषी नगर निवासी सुश्री रीतु टंडन ने गड़बड़ी की आशंका जाहिर करते हुए बताया कि रायपुर जिले में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय संचालन समिति द्वारा आयोजित सहायक शिक्षक (अनु.जनजाति) के लिए आयोजित साक्षात्कार में वह शामिल हुई थी। अंतिम परिणाम की सूची के में 13 अभ्यर्थी शामिल थें जिनमें उनका नाम अंतिम स्थान पर है जबकि 11 लोग साक्षात्कार में उपस्थित थे। इस सूची में कुछ ऐसे नाम शामिल है जो संभवतः पूर्व की सूची में वह नाम शामिल नही थे। सुश्री टंडन के आवेदन पर जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत चिचोली के सोमनाथ चक्रधारी ने उनके गांव में कुम्हारों के परंम्परागत व्यवसाय के लिए 5 एकड़ जमीन आरंक्षित करने का आग्रह किया। इस संबंध में कलेक्टर ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गुढ़ियारी निवासी अविनाश घरडे ने नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने और पैसा वसूलने के संबंध में शिकायत करते हुए दोषियों पर कार्रवाई करने और राशि वापस दिलाने का आग्रह किया। ग्राम तिवरैया निवासी नारायण दास टंडन ने गांव कें सार्वजनिक कुओं को कब्जा मुक्त करने का आवेदन देकर कहा कि करीब 50 वर्ष पूर्व गांव में कुएं का निर्माण हुआ था, जिसका कुछ लोगों के द्वारा कुएं को पाटकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही है इस पर श्री टंडन ने आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

इसी प्रकार अमरप्रसाद टंडन ने आवासीय पट्टा बनाने के लिए, सुश्री काजल नाग ने गृह निर्माण मण्डल कबीर नगर मे दोबारा कार्य में रखे जाने, गुढ़ियारी निवासी श्री शांति देवी ने बम्लेश्वरी नगर कॉलोनी गुढ़ियारी में सड़क बाधा हटाने, ग्राम नायकबांधा निवासी श्री किशोर साहु ने एक्सप्रेस-वे निर्माण के अंतर्गत घर का मूल्यांकन विषयक आवेदन दिया।

जिले में शुद्ध पेयजल हेतु 3 हजार 222 हैण्डपंप हो रहा संचालित

नारायणपुर। कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में विकासखण्ड नारायणपुर एवं ओरछा में हैण्डपंप संचालित हैं। नारायणपुर मे 412 ग्रामों मे 3 हजार 253 विभागीय हैण्डपंप स्थापित है, जिसमें से 3 हजार 222 हैण्डपंप चालू हालात में है एवं 20 हैण्डपंप सुधार प्रक्रिया के अंतर्गत बंद है, जिनका संधारण कार्य किया जा रहा है। संधारण कार्य हेतु 2 चलित वाहन एवं पर्याप्त संधारण सामग्री उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त पूर्व से 47 नग नलजल योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल प्रदाय किया जा रहा है, साथ ही 201 नग सौर उर्जा आधारित पंपो के माध्यम से भी ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके इसके लिए 75 हैण्डपंपो मे क्लोरीनेशन का कार्य किया गया है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

ग्रामीण की हत्याः एक सप्ताह बाद नक्सलियों ने बैनर लगाकर ली जिम्मेदारी, कहा पुलिस को देता था सूचना

कांकेर। करीब सप्ताह भर पहले 26 जून को कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र में जूंगड़ा निवासी सनकू राम गोटा की हत्या कर शव को फेंक दिया गया था। पुलिस अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई थी। इस बीच एक सप्ताह बाद नक्सलियों ने कोयलीबेड़ा-आलपरस मार्ग में बैनर पोस्टर लगाकर हत्या की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों ने मुखबिरी की शक में हत्या करने की बात बैनर में लिखी।

बता दें नक्सली जब भी किसी व्यक्ति को मुखबिरी के शक में हत्या करते है तो वहीं पर्चा छोड़ कर जाते हैं या दूसरे तीसरे दिन बैनर-पोस्टर लगाकर हत्या करने की जिम्मेदारी लेते है। सनकू राम गोटा की हत्या 26 जून को हुई थी लेकिन यहां किसी प्रकार का पर्चा नहीं मिला। पुलिस ने अज्ञात पर हत्या का मामला दर्ज किया और अपनी जांच जारी रखी। इस बीच एक सप्ताह बाद नक्सलियों ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों ने अपने बैनर में लिखा है कि पार्टी का समाचार पंडित गोटा कोयलीबेड़ा थाने में देता था। इसलिए लिए इसे मौत की सजा देना पड़ा। बैनर में रावघाट एरिया कमेटी भी लिखा हुआ था। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

उफनती नदी पार कर रहा युवक बाइक समेत बहा, SDRF की टीम कर रही तलाश

दुर्ग (ए)। दुर्ग के शिवनाथ नदी में बहे युवक की तलाश में एसडीआरएफ की टीम सुबह से जुट गई है। सोमवार दोपहर को अस्पताल से घर लौट रहा युवक नदी पार करते समय बाइक सहित बह गया था। घटना के बाद उसकी पत्नी ने शोर मचाया। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। शाम तक एसडीआरएफकी टीम ने कई घंटे तक तलाश की। बाइक तो मिल गई, लेकिन युवक का पता नहीं चला।

नगपुरा चौकी प्रभारी एम देशमुख के मुताबिक घटना सोमवार दोपहर की है। नगपुरा निवासी विजय मिश्रा अपने परिवार के साथ बाइक से जिला अस्पताल इलाज कराने गया था। वहां से दोपहर डेढ़ दो बजे के करीब वापस अपने घर लौट रहा था। रास्ते में नगपुरा के कोटनी नदी का जल स्तर बढ़ गया था। इसके चलते उसने अपनी पत्नी को बाइक से उतार दिया और पैदल विजय अपनी बाइक से धीरे-धीरे नदी पार करने लगा। इसी दौरान अचानक बाइक का पहिया फिसल गया और विजय बाइक सहित नदी के गहरे पानी में चला गया। पति को बाइक समेत नदी में गिरता देख पत्नी ने आसपास के लोगों को आवाज दी। फिर घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

बलोदाबाजार में युवती की हत्या, चंद घंटों में आरोपी तक पहुंची पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलोदाबाजार। रविवार को बलोदाबाजार जिले के पलारी थाना क्षेत्र के मुक्तिधाम के पास डबरी में मिली युवती की लाश के मामले में पुलिस चंद घंटों में ही आरोपी के पास पहुंच गई। दरअसल युवती की हत्या करने वाला उसका प्रेमी ही निकला। युवती शादी की जिद कर रही थी और प्रेमी को लगता था कि युवती का दूसरे किसी युवक से भी संबंध था। इसी वजह से दोनों में विवाद हुआ और प्रेमी ने युवती राड़ से पीट-पीटकर घायल कर दिया और तड़पता हुआ छोड़कर भाग गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बता दें रविवार को गिधपुरी पलारी मार्ग पर कौड़िया गांव का मुक्तिधाम के पास डबरी में युवती की लाश मिली थी। रविवार की सुबह आने जाने वाले लोगों में एक शख्स डबरी की ओर गया था उसे बदबू आई। पास जाकर देखा तो वहां युवती की लाश पड़ी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। युवती का शव काफी क्षत विक्षत हो गया था। उसका आधा हाथ भी कुत्तों ने नोच लिया था। जांच के दौरान पहले पुलिस ने शव की शिनाख्त की। शव के जेब से मिले आधार कार्ड से मृतका की पहचान गांव तूरमा निवासी आश्मा मनहरे पिता धरम मनहरे(21) के रूप में हुई।

पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और इसके बाद पता चला कि आश्मा का मिर्गी गांव निवसी दिनेश सेन (22) से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जा रहा है कि इनके बीच करीब चार सालों से प्रेम प्रसंग है। इसके बाद पुलिस दिनेश सेन के पास पहुंची और उसे उसके घर से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने युवती की हत्या की बात मान ली और इसकी वजह भी पुलिस को बताई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शादी की जिद व दूसरे से संबंध का था शक

पुलिस की पूछताछ में आरोपी युवक ने बताया कि 29 की रात को युवती ने उसे फोन कर शादी की जिद की। इसके बाद आरोपी ने मना करते हुए अभी शादी नहीं करने की बात कही। इसके बाद उसी रात को आरोपी युवती के घर पहुंच गया। इसके बाद युवती उसके साथ निकल गई। दोनों रायपुर की ओर जा रहे थे इस बीच मुक्तिधाम के पास दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोपी को शक था कि उसकी प्रेमिका का संबंध किसी और से भी है। इस सवाल पर युवती भड़क गई और दोनों में जमकर विवाद हुआ। विवाद के बाद आरोपी ने बाइक में रखी रॉड से युवती पर ताबड़तोड़ वार किए और उसे घायल अवस्था में तड़पता हुआ डबरी के पास छोड़कर भाग गया। इसके बाद युवती की वहां मौत हो गई। इधर घटना के बाद आरोपी अपने घर पर ही था। बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गांव में ही सेलून चलाता है और इस दौरान युवती के भाई से उसकी दोस्ती हुई और बाद में युवती से परिचय हुआ था। बहरहाल शव मिलने के बाद चंद घंटों में ही मामला सुलझाने के लिए जिले के पुलिस कप्तान ने पूरी टीम को बधाई दी।

थाने से हथकड़ी खोलकर ले गए, फिर की मारपीट

चलती कार में चोरी के आरोपी को दो युवकों ने जमकर पीटा

महासमुंद (ए)। महासमुंद जिले के पिथौरा थाने में पदस्थ दो आरक्षकों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिस शख्स ने बाइक चोरी की शिकायत पर युवक को थाने में बंद कराया था, उसी ने रात में हथकड़ी खोलकर आरोपी को साथ ले गया और रास्तेभर उसके साथ मारपीट की। इसका वीडियो भी सामने आया। वारदात के समय वहां मौजूद दो आरक्षकों को एसपी धर्मेंद्र सिंह ने थाने से हटाकर लाइन अटैच कर जांच के निर्देश दिए हैं।

पीड़ित युवक ने रायगढ़ में मारपीट करने वाले युवकों के खिलाफ एसपी से लिखित में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पुलिस विभाग में पदस्थ आरक्षक के भाई के यहां काम करता है। उसकी बाइक ले जाने के मामले में आरक्षक ने अपने साथी कॉन्स्टेबल से सहयोग मांगा था।

रात को पीटते हुए लाए थे थाना

सन्नी खोरा थाना पलारी जिला बलौदाबाजार निवासी तरुण कुमार डहरिया को रायगढ़ के रहने वाले राहुल सिंह और सन्नी सरदार ने बाइक चोरी के आरोप में पिथौरा में पकड़ा। उसके बाद दोनों ने तरुण के साथ मारपीट की। तरुण को पीटते-पीटते दोनों युवक पिथौरा थाना लाए। थाना प्रभारी शशांक पौराणिक ने बताया कि ड्यूटी में आरक्षक गोपाल यादव और शैलेष ठाकुर थे। ये दोनों आरक्षक शिकायतकर्ता के भाई के बैचमेट थे। शिकायतकर्ता का भाई पुलिस विभाग में आरक्षक है। उन्हीं के कहने पर युवक को हिरासत में लिया था। उन्होंने बताया कि आरक्षकों ने लापरवाही बरती है। सुपुर्दनामा होने के बाद हथकड़ी को आरक्षकों को खोलना था, लेकिन शिकायतकर्ता ने खोला और इसका वीडियो भी बना लिया। यही वीडियो उन्होंने वायरल किया।

लूट के आरोपी पकड़ाए, सुबह टहलने वालों को करते थे टारगेट, कई थानों में दर्ज हैं मामले

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला पुलिस ने लूट के आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है। पुलिस दो आरोपियों से लूट के 20 मोबाइल व घटना में इस्तेमाल किए जाने वाले एक्टिवा को जब्त किया है। जब्त सामान की कीमत 5 लाख रुपएए बताई जा रही है। आरोपियों का लूट का तरीका अलग ही था। दरअसल यह दोनों सुबह टहलने वालों को टारगेट करते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

दुर्ग जिले के अलग अलग थानों में पुलिस को लगातार सुबह टहलने वालों से मोबाइल व चेन लूट की शिकायतें मिल रही थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अलग अलग टीमें बनाई। पुलिस टीम सिविल ड्रेस में लूटेरों को पकड़ने के लिए सर्चिंग शुरू की। इस दौरान संदेह के आधार पर जवाहर नगर IHSDP कालोनी के पास वैशाली नगर निवासी एस. सचिन उर्फ जहर तथा संग्राम चैक केम्प-1 निवासी आदित्य यादव उर्फ डंपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पुलिस की पूछताछ में पहले तो दोनों गुमराह करते रहे। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों ने सच्चाई बताई। दोनों आरोपियों ने थाना सुपेला, स्मृति नगर, वैशाली नगर, मोहन नगर, भिलाई भट्टी आदि स्थानों से लूट की घटनाओं को अंजाम दिया है। दोनों आरोपी टहलने निकले बुजुर्ग लोगों को टारगेट करते थे। इस पूरी कार्रवाई में सुपेला थाना प्रभारी दुर्गेश कुमार शर्मा, उप निरीक्षक सतीश साहू, एएसआई राजेन्द्र देशमुख (स्मृति नगर), प्रधान आरक्षक संतोष शर्मा, प्रकाश तिवारी, आर. आवेश सिद्धीकी, नितेश पाण्डेय, विरेन्द्र यादव, दुर्गेश सिंह (वैशाली नगर), भीम यादव, नियाज खान, आशीष, शैलेष यादव, जुनैद सिद्धीकी, विकास तिवारी, विवेक सिंह, उपेन्द्र सिंह, सूर्य प्रताप सिंह आदि का विशेष योगदान रहा।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

सब्जी के नीचे सागौन की तस्करी कर रहे बदमाश पकड़ाए, सवा लाख का सागौन चिरान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन अपराधों की रोकथाम के लिए अभियान लगातार जारी है। सर्चिंग के दौरान वन विभाग ने बड़ी मात्रा में सागौन की लकड़ी पकड़ी है। बदमाश सागौन की तस्करी कर रहे थे। वन विभाग की टीम को बड़ी सफलता मिली है। वन मंत्री मो अकबर के निर्देश पर लगातार वन विभाग द्वारा कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर वनमंडल के भोपालपटनम से तारलागुडा मार्ग पर वन कर्मचारियों द्वारा नियमित रात्रि गश्त के दौरान रविवार को सफेंद रंग की एक संदिग्ध पिकअप वाहन दिखाई दी। वन कर्मचारियों को संदेह होने पर उनके द्वारा वाहन रोककर सूक्ष्मता से जांच की गई। जांच करने पर पाया गया कि आरोपियों द्वारा गुमराह करने के लिए पिकअप वाहन में उपर सब्जी रखकर नीचे खुफिया कम्पार्टमेंट बनाकर फिल्मी तरीके से 16 नग अवैध सागौन चिरान तस्करी कर ले जाया जा रहा था।

जांच के दौरान वाहन सवार कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर अवैध सागौन चिरान 0.64 घनमीटर एवं पिकअप वाहन एपी 04 वी 7816 के जब्ती की कार्रवाई की गई। आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर उक्त चिरान भोपालपटनम के ग्राम लिंगापुर से लाना बताया गया। दल द्वारा इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम लिंगापुर में एक जर्जर भवन से दोपहर 1 बजे 114 नग सागौन चिरान 1.92 घनमीटर जप्त किया गया। जप्त किये गये चिरान का अनुमानित मूल्य करीब एक लाख तीस हजार रूपए है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वी श्रीनिवास राव के निर्देशानुसार मुख्य वन संरक्षक मो शाहिद के कुशल मार्गदर्शन एवं वनमंडलाधिकारी अशोक पटेल के नेतृत्व में उपवनमंडल भोपालपटनम की टीम द्वारा अवैध सागौन तस्करी पर लगाम लगाने के उद्देश्य से नियमित गश्त कर तस्करों पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। उक्त प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम एवं लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई जारी है।

कोरबा में गोमांस बेचे जाने पर बवाल, मां-बेटे की हुई जमकर पिटाई, पुलिस ने फ्रीजर से जब्त की मांस व हड्डियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में गाय का मांस बेचे जाने का मामला सामने आया है। यहां के मोती सागरपुरा क्षेत्र के एक मकान से गोमांस बेचे जाने की सूचना के बाद बवाल मच गया। जैसे ही यह खबर फैली हिन्दू वादी संगठनों ने धावा बोल दिया। मकान में घर का मुखिया नहीं मिला तो घर पर मौजूद मां-बेटे की पिटाई कर दी। किसी तरह से लोगों ने उन्हें छुड़ाया और पुलिस को भी सूचना दी गई।

पुलिस ने मकान के अंदर डीप फ्रीजर से कटा हुआ मांस, खाल और हड्डियां बरामद कर उसे जांच के लिए पशु चिकित्सक के पास भेजा गया।

मिली जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के तहत मोती सागरपारा क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के गोमांस बेचे जाने की सूचना फैल गई। इसके बाद उसके घर के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान हिंदूवादी संगठन के लोग भी पहुंच गए। भीड़ ने घर में घुसने की कोशिश की तो गेट पर मां-बेटे ने उन्हें रोकने की कोशिश की। फिर क्या था लोग भड़क गए और मां-बेटे की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान आसपास के कुछ लोग बीच बचाव करते रहे। कुछ देर में पुलिस भी पहुंच गई। लोगों ने मां बेटे को पुलिस को सौंप दिया।

इसके बाद पुलिस ने घर की तलाश शुरू की। इस दौरान घर के डीप फ्रीजर से कटे हुए मांस के टुकड़े बरामद हुए। वहीं गोदाम में मवेशियों की खाल और हड्डियों ढेर मिला है। लोगों ने आरोप लगाया कि इनके द्वारा गो मांस बेचा जा रहा है। पुलिस ने मांस, खाल व हड्डियों को जब्त कर पशु चिकित्सालय जांच के लिए भेजा है। इस बीच हिन्दूवादी संगठन के लोग काफी आक्रोशित दिखे। वहीं पुलिस ने पूरे घटनाक्रम पर गंभीरता बरती और हिन्दू संगठन के लोगों को समझाइश दी। फिलहाल पूरा मामला पुलिस की जांच में है।

राजधानी में युवक की चाकू गोदकर हत्या, पड़ोसी ने पुरानी रंजिश में दिया वारदात को अंजाम

रायपुर। राजधानी रायपुर में सोमवार को चाकू गोदकर युवक की हत्या का मामला सामने आया है। हत्या करने वाला उसका पड़ोसी ही है जिसने पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार आधीरात की बताई जा रही है। दीपक नामदेव नाम के युवक ने अपने पड़ोसी कंचन माल पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के वार से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद युवक को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी दीपक नामदेव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि नवरात्रि के दौरान पंडाल के लिए गड्ढा खोदने को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। इस विवाद की आंच अभी तक जिंदा रही और इसी वजह से बीती रात आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

निर्मला परगनिहा को मिली पी-एचडी की उपाधि

भिलाई। अग्रसेन महाविद्यालय धनोरा की सहायक प्राध्यापक,(हिंदी)निर्मला परगनिहा को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा हिंदी साहित्य में पीएचडी प्रदान की गई। उनके शोध का विषय 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और गजानन माधव मुक्तिबोध की लंबी कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन ' है। उन्होंने यह शोध कल्याण महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉक्टर फ़िरोजा जाफ़र अली के मार्गदर्शन में पूरा किया। वे बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मी सीएल परगनिहा की पत्नी हैं ।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत प्रशिक्षण हेतु आवेदन 10 जुलाई तक

दुर्ग। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत व्यवसाय बेसिक इलेक्ट्रिकल एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन में शॉर्ट टर्म कोर्स नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इच्छुक आवेदक 10 जुलाई 2023 तक संस्था में उपस्थित होकर अपना पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ के साथ, आई.डी. प्रूफ (आधार कार्ड), 10वीं उत्तीर्ण की अंकसूची एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति के मूल दस्तावेजों, एक सेट सत्यापित छायाप्रति के साथ अपना पंजीयन कराए एवं उक्त प्रशिक्षण प्रतिदिन 3 घंटे अनुसार कुल 400 घंटे में पूर्ण किया जाएगा। जिन अभ्यर्थियों को बेरोजगारी भत्ता प्राप्त होता है, उन्हें सर्वप्रथम प्राथमिकता देय होगी।

स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण 5 जुलाई से

दुर्ग। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, दुर्ग भारत सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवक युवतियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार विकास को सुगम बनाना है। आरसेटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम आत्म- उत्पादकता, सशक्तीकरण, कौशल विकास, उद्यमिता, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के बारे में शिक्षण प्रदान करते हैं। आरसेटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ाने में मदद मिलती है। इसी उद्देश्य प्राप्ति हेतु संस्थान द्वारा जिला दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्र के युवक/युवतियों हेतु 05 जुलाई 2023 से इलेक्ट्रीशियन (30 दिन) एवं सीसीटीवी इंस्टालेशन एवं सर्विस (13 दिन) का निशुल्क आवासीय (भोजन व्यवस्था के साथ) प्रशिक्षण संचालित किया जायेगा। दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवक युवतियों से आवेदन आमंत्रित है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद पर भर्ती 18 जुलाई तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय, दुर्ग में कर सकते हैं आवेदन

दुर्ग। जिले के एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के पद हेतु विज्ञप्ति जारी किया गया था। परियोजना अधिकारी ने बताया जारी विज्ञप्ति में राजीव नगर केन्द्र क्रं. 04, वार्ड क्रं. 04 को राजीव नगर केन्द्र क्रं. 04, वार्ड क्रं. 02 पढ़ा जावे। इच्छुक आवेदिका द्वारा 18 जुलाई 2023 तक कार्यालयीन समय में एकीकृत बाल विकास परियोजना, दुर्ग (पांच बिल्डिंग, बाल संरक्षण गृह परिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग, दुर्ग) में सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा किये जाएंगे।

शहर में बन रहा है तारामंडल, लोग ले सकेंगे अद्भुत नजारा का आनंद

भिलाई में खुलेगा दो बीपीओ सेंटर मिलेगा रोजगार का अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत वैशाली नगर क्षेत्र तथा खुर्सीपार क्षेत्र में बीपीओ खुलने जा रहा है। बीपीओ खुलने से रोजगार के अवसर सृजित होंगे और युवक-युवतियों को रोजगार मिलेगा। बीपीओ खोलने के लिए स्थल का चयन कर लिया गया है तथा इस पर शीघ्रता से कार्य किया जा रहा है। वही अब शहर वासियों को एक अद्भुत नजारा मिलेगा भिलाई शहर में तारामंडल का निर्माण किया जा रहा है।

तारामंडल के लिए प्लेटफार्म बनकर तैयार हो चुका है, केवल स्ट्रक्चर लगाने की देरी है फिर लोगों को तारामंडल के जरिए अंतरिक्ष से जुड़ने का मौका मिलेगा तथा लोग इसके बारे में जान सकेंगे।

जिले में यह अपनी तरह का पहला तारामंडल बनने जा रहा है। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आज निर्माण कार्य का जायजा लिया और शीघ्र ही कार्य पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। स्कूल जतन योजना के तहत भिलाई में स्कूलों के मरम्मत एवं संधारण के कार्य की जानकारी स्कूल निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने संयुक्त रूप से ली। इस दौरान स्कूलों में मरम्मत तथा संधारण के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तथा शीघ्रता के साथ करने के लिए निर्देश अधिकारियों को दिए गए तथा स्कूलों में विद्यार्थियों के अनुकूल माहौल के लिए तथा पढ़ाई के अच्छा वातावरण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ ही कमरों में पर्याप्त रोशनी रखने कहा गया है। विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण संयुक्त रूप से आज किया गया।

जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण भी आज महापौर एवं आयुक्त ने किया तथा नालों की सफाई की स्थिति फील्ड में देखी। जलभराव एवं डुबान क्षेत्रों में विशेष अलर्ट रहने के निर्देश अधिकारियों को मौके पर दिए गए हैं। किसी भी विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए हमेशा मुस्तैद रहने कहा गया है। संयुक्त दौरे में आज सी मार्ट एवं मदर्स मार्केट का भी निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, जोन आयुक्त राजेंद्र नायक, अमिताभ शर्मा, पूजा पिल्ले, नोडल अधिकारी प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, कुलदीप गुप्ता, विनीता वर्मा आदि मौके पर मौजूद रहे।

नेत्र सहायक अधिकारी नायक ने दिया बच्चों के जन्मदिन पर बड़ा सन्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एवं जिला चिकित्सालय के नेत्र सहायक अधिकारी अजय नायक के पोते और पोती के जन्मदिन को एक बड़ा सामाजिक सन्देश देते हुए मनाया पौत्र अदम्य नायक एवं पौत्री अविशा नायक के जन्म दिन के अवसर पर 25 लोगों ने रक्तदान किया एवं पर्यावरण हेतु नायक परिवार द्वारा बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उल्लास कुमार ने अपने देहदान की घोषणा की व अनिल दुबे एवं अशोक चंद्राकर ने अपने नेत्रदान की घोषणा कर नायक परिवार को शुभकामनाएं दी दुर्ग जिला चिकित्सालय में नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया,जितेंद्र कारिया एवं अरविन्द,अविनाश ने रक्तदान किया। दिव्यांग श्रीकांत बारिक ब्लड बैंक में पहुँच अपना 33वां रक्तदान किया सबने उनके जज़्बे की तारीफ़ की। रूपल गुप्ता ने नायक परिवार के साथ साथ भी रक्तदान कर अपना जन्मदिन यादगार बनाया। सीएम्एचओ डॉ जे पी मेश्राम,सिविल सर्जन डॉ वाय के शर्मा ब्लड बैंक पहुँच रक्तदानियों का उत्साह बढ़ाया एवं नायक परिवार को बधाई देते हुए उनके जन्मदिन मनाने के तरीके की तारीफ़ की। जिला चिकित्सालय के डॉ प्रवीण अग्रवाल,डॉ संगीता भाटिया,अरुण सिंह,माया लहरे,शत्रुहन सिन्हा , डॉ नेहा बाफना,तरुणा,सती कश्यप,रोशन सिंह ने नायक परिवार को शुभकामनाएं दी

अजय नायक ने कहा वह वर्षों से जन सेवा कर रहे हैं अत: उनके पुत्र आकाश व बादल एवं पुत्रवधु नीलम व वामिनी ने मिल कर यह निर्णय लिया कि जन्मदिन ऐसा हो कि समाज में सन्देश जाए तथा लोग इसका अनुसरण करें और आज सब के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

आवास के लिए 6 जुलाई को लॉटरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रिसाली निगम क्षेत्र के लक्ष्मीनगर में बने मकान का आबंटन लॉटरी निकालकर किया जाएगा। लॉटरी गुरूवार को सुबह 10 बजे निगम के सभागार में निकाली जाएगी। लॉटरी में ऐसे हितग्राहियों का नाम शामिल किया गया है, जो मकान की लागत का 10 प्रतिशत राशि अग्रिम जमा कर चुके है। सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास के एएचपी घटक मोर मकान मोर आस के तहत लक्ष्मीनगर में कुल 36 आवास बनाए गए है। इसी आवास के लिए ऐसे हितग्राही से आवेदन मंगाए गए थे जिनके पास आवास नहीं या फिर वे जो लंबे समय से किराए पर रहे है। आवास आबंटन के लिए मकान लागत की कुल राशि का 10 प्रतिशत 36100 रूपए जमा करना अनिवार्य है। राशि जमा करने वाले हितग्राहियों की सूची तैयार कर लॉटरी निकाली जाएगी। सहायक अभियंता ने बताया कि ऐसे हितग्राही जिन्होंने आवास के लिए आवेदन जमा किया है और 10 प्रतिशत राशि जमा नहीं की है उन्हें 5 जुलाई तक मौका दिया गया है। वे शाम 5 बजे तक 10 प्रतिशत राशि जमा कर आवास लॉटरी मे शामिल हो सकते है।

आयुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

यलो और रेड स्पॉट पर रहेगी नजर, वसूला जाएगा जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। शहर की स्वच्छता पर दाग लगाने वालों से 500 से 1000 रूपए तक जुर्माना वसूल किया जाएगा। निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने निगम क्षेत्र के अघोषित यलो और रेड स्पॉट पर नजर रखने निर्देश दिए है। मानिटरिंग की जिम्मेदारी संबंधित वार्ड के सब इंजीनियरों को दी है।

नगर पालिक निगम के आयुक्त आशीष देवांगन ने सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की। इसके पहले उन्होंने विभागवार निर्माण कार्य के अलावा पौध रोपण अभियान की समीक्षा की। इंजीनियरों को निर्देश दिए कि पौध रोपण के बाद उसे सहेजने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करे। आयुक्त ने बारिश को ध्यान में रखते हुए समुचित सफाई व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शहर के यलो और रेड स्पॉट पर विशेष नजर रखे। गंदगी फैलाने वालों से सख्ती से पेस आए। बैठक में सहायक अभियंता राजकुमार जैन, उप अभियंता अखिलेश गुप्ता, नितिश अमन साहू, डिगेश्वरी चंद्राकर, उमयंती ठाकुर, पी.आई.यू. आकाश मिश्रा व विजय कश्यप आदि उपस्थित थे। आयुक्त ने बैठक में निर्देश दिए है कि अधिकारी, कर्मचारी और स्वास्थ्य विभाग का संपूर्ण अमला अलर्ट रहे। बारिश में जल भराव और स्वच्छता को लेकर पूरी तरह से तैयारी कर ले। उन्होंने अधिकारी व कर्मचारियों को बिना सूचना अवकाश पर रहने पर प्रतिबंध लगाते हुए मोबाइल चालू रखने के निर्देश दिए है। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में दो नए बिन्दु को जोड़ा गया है। सर्वेक्षण अधिकारी अब निगम क्षेत्र के यलो और रेड स्पॉट भी देखेंगे। यही वजह है कि निगम अधिकारी अब बेहतर स्थान पाने यलो और रेड स्पाट को खत्म करने प्लान तैयार किया है।

यलो स्पॉट:- खुले स्थान में अघोषित यूरिनल बनाना ही यलो स्पॉट कहलाता है। खुले व सार्वजनिक स्थान में यलो स्पाट बनने से आस पास का क्षेत्र प्रदुषित हो जाता है।

रेड स्पॉट:- सार्वजनिक स्थान, भवन, कार्यालयों में कही भी थूकना रेड स्पॉट कहलाता है। ऐसे स्थानों पर सर्वेक्षण अधिकारियों की नजर रहेगी। आयुक्त ने खुले अथवा सार्वजनिक स्थानों पर थुकने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में 2022 बैच के नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों के लिए मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा दिनांक 03 मई 2023 को इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (पी एंड ए) श्रीमती निशा सोनी उपस्थित रहीं।

इसके अलावा कार्यक्रम में महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक एस के श्रीवास्तव समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए कार्यकारी कार्यपालक निदेशक श्रीमती निशा सोनी ने उन्हें शुभकामनायें प्रदान की और कहा कि नया पद एक नयी जिम्मेदारियों के साथ आता है जिसके लिए अनुशासित रहना पहला कदम है। इसके लिए हमें अपनी कंपनी के नियमों और कानूनों का सजगता और सम्पूर्णता से पालन करना होगा। आगे उन्होंने कहा कि हमें कंपनी के लाभ को केंद्र में रखते हुए लागत-नियंत्रण और टीम-सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। इस इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम में 225 नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों को तीन समूहों में बांटा गया है, प्रत्येक समूह में 75 अधिकारी शामिल हैं। जिन्हें 24 सप्ताह तक चार चरण में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण के पहले चरण में परिचय प्रोग्राम, दूसरे चरण में पीसी स्किल्स (कंप्यूटर कौशल), तीसरे चरण में ऑन द जॉब (नौकरी पर प्रशिक्षण) एवं अंतिम चरण में परियोजना आधारित प्रशिक्षण आदि बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम की शुरुआत महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) एस के श्रीवास्तव ने अपने स्वागत भाषण से की। कार्यक्रम के अंत में अपने धन्यवाद ज्ञापन में महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) अमूल्य प्रियदर्शी ने नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) सुभाष भाई पटेल द्वारा किया गया।

सेल-बीएसपी ने सभी प्रोजेक्ट खरीद के लिए मेटल जंक्शन पीआरओ के साथ किया अनुबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल ने अपनी परियोजना के लिए आवश्यक सामग्री की खरीद का समर्थन करने के लिए, अपने ई-प्रोक्योरमेंट प्लेटफॉर्म, एमजेपीआरओ के माध्यम से सभी पांच आईएसपी में उनकी परियोजना खरीद शुरू करने के लिए आज 3 जुलाई 2023 को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी के सभागार में एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड, एमजेपीआरओ के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया। सेल ने अपने वैश्विक विक्रेताओं को खुली निविदा के माध्यम से बोली लगाने के लिए आसान पहुंच प्रदान करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी ई-प्रोक्योरमेंट के लिए ई-टेंडरिंग सॉल्यूषन के कार्यान्वयन के लिए एमजेपीआरओ का चयन किया है। इस अनुबंध पर आज 03 जुलाई 2023 को इस्पात भवन स्थित निदेषक प्रभारी के सभागार में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यकारी कार्यपालक निदेषक आर के श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक अनुराग उपाध्याय, मुख्य महाप्रबंधक उन्मेश भारद्वाज सहित एमजंक्शन एमडी विनय वर्मा की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया गया। एमजंक्शन के एमडी विनय वर्मा ने व्यक्त किए विचारों में बतलाया कि 'एमजेपीआरओ के माध्यम से, हम सेल परियोजना निविदाओं में गति लाने, विश्व स्तर पर विक्रेताओं से जुड़ने और कम समय में परियोजना निविदाओं को अंतिम रूप देने के चुनौतीपूर्ण कार्य को कुशलतापूर्वक संपादित करने की उम्मीद जताई।' उन्होंने कहा कि एमजेपीआरओ सेल को आवश्यक निर्णय लेने में भी मदद करेगा जिससे परियोजनाओं के लिए खरीद आदेशों को अंतिम रूप देना आसान हो जाएगा। एमजेपीआरओ एक क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म है और व्यापक कॉन्फिगरेशन के साथ आता है जो सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ताओं की हर अनूठी जरूरत पूरी हो, यह सुरक्षित, स्केलेबल, मॉड्यूलर और उपयोग में आसान है। यह संगठनों की प्रमुख आवष्यकताओं का ध्यान रखता है जैसे नए और विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं तक पहुंच, निर्णय लेने के लिए विश्लेषण और अंतर्दृष्टि, उपयोग की सुविधा और ईआरपी सिस्टम के साथ एकीकरण।

यह जटिल आरएफक्यू शर्तों, एकाधिक मुद्राओं और विविध मूल्यांकन मानदंडों को समायोजित कर सकता है। यह खरीद विश्लेषण और कॉन्फिगर करने योग्य डैशबोर्ड के साथ उचित सत्यापन के बाद पंजीकृत विक्रेताओं तक पहुंच भी प्रदान करता है जो समय पर निर्णय लेने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। कॉर्पोरेट कार्यालय से कनेक्टिविटी के साथ सेल के पांच एकीकृत इस्पात संयंत्रों में तीन महीने के भीतर शुरू होने की संभावना है।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का ने आमजनों की समस्याएं सुनी। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनदर्शन में 210 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें अवैध कब्जा, बंटवारा, आर्थिक सहायता, सीमांकन, स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश, राशन कार्ड से संबंधित आवेदन शामिल है। जनदर्शन में ग्राम रीवागहन निवासी ने राशन कार्ड एवं बैटरी चलित ट्राय सायकल की मांग की।

उन्होंने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब है। उनके परिवार में तीन सदस्य है। पहले उनके परिवार को गरीबी रेखा के तहत राशन प्रदान किया जाता था, किन्तु कुछ महीनों से उनकी बेटी का राशन प्राप्त नही हो रहा है। साथ ही गरीबी रेखा की सर्वे सूची में भी नाम दर्ज नही है, जिसके कारण शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त नही हो रहा है। चूंकि बेटी विकलांग है उसे पढ़ाई के लिए 3 किलोमीटर दूर स्कूल जाना पड़ता है। स्कूल आने जाने में बहुत ही कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बेटी के लिए बैटरी चलित ट्राय सायकल की मांग करते हुए अपर कलेक्टर को आवेदन सौंपा। इस पर अपर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

कोहका वार्ड क्रमांक 13 के वार्डवासियों ने आवेदन सौपते हुए बताया कि उनके वार्ड में पक्की सड़क व गंदे पानी की निकासी के लिए नाली नही होने के कारण गंदे जल का जमाव बना रहता है।

वार्ड में किसी भी प्रकार की स्ट्रीट लाईट नही होने के कारण वार्डवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों से गुजरना पड़ता है। उन्होंने वार्ड को सुरक्षित बनाने एवं गंदगी से बचने के लिए नाली वं स्ट्रीट लगवाने आवेदन दिया। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सिरसाकला चरौदा के महिला आरोग्य समिति के लोगों ने प्रोत्साहन राशि प्रदाय किए जाने की मांग की। महिलाएं 8 वर्षो से महिला आरोग्य समिति से जुड़ी हुई है। उनके द्वारा समय समय पर नारा लेखन, रैली एवं विभाग द्वारा लगाए गए शिविर में सहयोग प्रदान किया जाता है। समिति सदस्यों उक्त कार्य के बदले प्रोत्साहन राशि की मांग की। इस पर अपर कलेक्टर ने सीएमएचओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

चंदखुरी निवासी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत किए जाने के लिए आवेदन सौंपा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा स्वयं की भूमि में कच्चा मकान बनाया गया है, जो कि अत्यंत जर्जर हो चुका है। रोजी मजदूरी कर अपने एवं परिवार का पालन पोषण करते हैं। ग्राम पंचायत द्वारा कई बार जर्जर घर का सर्वे किया जा चुका है किन्तु पंचायत द्वारा कोई भी कार्यवाही नही की गई है। मकान रहने की स्थिति में नही होने के कारण बारिश में मुझे और मेरे परिवार को आवासीय समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

सैनी माली सभा द्वारा युवक युवती परिचय सम्मेलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑल इंडिया सैनी माली सभा सागर मध्य प्रदेश के नेतृत्व में सागर में 2 जुलाई को बहुत ही बड़े स्तर में युवक युवती परिचय सम्मेलन कार्यक्रम सम्पन हुआ जहां बतौर मुख्य अतिथि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सैनी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पी माली सत्यनारायण आजाद एवं राष्ट्रीय सचिव मोहन पटेल राजेंद्र सैनी , छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी विनोद माली संभाग अध्यक्ष रीवा सुशील बढोलिया शुभम सैनी एवं छत्तीसगढ़ से आमंत्रित ऑल इंडिया सैनी माली सभा के प्रदेश अध्यक्ष नितिश कश्यप इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए सर्वप्रथम कार्यक्रम को प्रारंभ करते हुए मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर महात्मा ज्योतिबा फुले जी एवं माता सावित्रीबाई फुले के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया, तत्पश्चात कार्यक्रम को आगे प्रारंभ किया गया जहां समाज को आगे बढ़ाने एवं अन्य छेत्र में विकसित करने की बातें मुख्य अतिथियों द्वारा की गई, एवं साथ ही समाज के प्रतिभाशाली बच्चे जिन्होंने परीक्षा में अधिक मार्क्स लाया है उन्हें भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, तत्पश्चात युवक युवती परिचय सम्मेलन का कार्यक्रम हुआ जहां 40 परिवारों का पंजीयन हुआ एवं उनका एक दूसरे परिवारों द्वारा परिचय करवाया गया छत्तीसगढ़ से ऑल इंडिया सैनी माली सभा के प्रदेश अध्यक्ष नितिश कश्यप ने अपनी बातों को रखते हुए कहा कि यह एक बहुत ही सराहनीय कार्यक्रम है और ऐसे कार्यक्रम लगातार जिलों में राज्य में होते रहने चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950